



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असहधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 61]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 17, 2006/माघ 28, 1927

No. 61]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 17, 2006/MAGHA 28, 1927

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवहन विभाग)

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 2006

सा.का.नि. 70(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुरगांव पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में दर्शित मुरगांव पत्तन कर्मचारी (छुट्टी यात्रा रियायत) संशोधन विनियम 2006 का अनुमोदन करती है।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

अनुसूची

मुरगांव पत्तन कर्मचारी (छुट्टी यात्रा रियायत) (संशोधन) विनियम, 2006

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38वां) की धारा 124 (1) तथा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुरगांव पत्तन का न्यासी मंडल, मुरगांव पत्तन कर्मचारी (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम, 1964 का पुनः संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, यथा :

1. (i) इन विनियमों को मुरगांव पत्तन कर्मचारी (छुट्टी यात्रा रियायत) (संशोधन) विनियम, 2006 कहा जाएगा।
- (ii) ये उस तारीख से प्रभावी होंगे जिस तारीख को भारत के राजपत्र में केन्द्र सरकार का इन विनियमों पर अनुमोदन प्रकाशित होता है।
2. (i) विनियम 2 में :-
- क) शीर्षक में "निर्वचन" शब्द को "परिभाषा" शब्द से प्रतिस्थापित किया जाए।

(1)

- ख) परिभाषाओं की क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि को क, ख, ग, आदि के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए ।
- ग) नई संख्या दिए गए उप-खंड (5) में "से वह अर्थ है जो केन्द्रीय सरकार के मूल नियमों और अनुपूरक नियमों में दिया गया है" को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"का अर्थ है, क्रमशः श्रेणी I, श्रेणी II, श्रेणी III तथा श्रेणी IV के कर्मचारी" जैसा कि मुरगांव पत्तन कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) विनियम, 1964 के अधीन वर्गीकृत किया गया है ।"

- घ) निम्नलिखित परिभाषाओं को उप-खंड (च), (छ), तथा (ज) के रूप में जोड़ा जाए :-
- च) "भारत में एक स्थान" में वह भी स्थान शामिल है जो भारतीय सीमा के भीतर आता हो, चाहे वह भारत के मुख्यभाग में हो या समुद्रीय हो ।

स्पष्टीकरण :-

यदि सीमावर्ती क्षेत्रों के दर्शन के लिए कोई स्थानीय प्रतिबंध है, तो दर्शन करनेवाले कर्मचारी की यह जिम्मेदारी होगी कि वह उन स्थानों का दर्शन करने के लिए, स्थानीय प्रतिबंधों के अधीन शर्तों की पूर्ति करेगा ।

छ) "नियंत्रण अधिकारी" अर्थात् श्रेणी I तथा II के अधिकारियों के मामले में अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष और श्रेणी III तथा IV के कर्मचारियों के मामले में विभागाध्यक्ष ।

ज) "अनुशासनिक प्राधिकारी" का वही अर्थ होगा जो मुरगांव पत्तन कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) विनियम, 1964 के विनियम - 2 (घ) में दिया गया है ।"

(ii) (क) मौजूदा विनियम में अंतिम खण्ड यथा "यदि पति और पत्नी _____" परिवार को रियायत ग्राह्य होगी " । के सिवाय इसे विनियम - 2 के उप-खण्ड - (1) के रूप में नई संख्या दी जाए और "परिवार" शब्द की परिभाषा वाले शेष खण्डों को हटा कर निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"परिवार शब्द की परिभाषा"

परिवार का अर्थ है :

- i) कर्मचारी की पत्नी या पति, जैसी भी स्थिति हो, तथा दो जीवित अविवाहित बच्चे या सौतेले बच्चे जो पूर्णतया कर्मचारी पर आश्रित हैं, चाहे वे कर्मचारी के साथ रहते हों या नहीं ।
- ii) विवाहित पुत्रियां, जो तलाकशुदा हैं, पतियों द्वारा छोड़ दी गई हैं या उनसे अलग हुई हैं और कर्मचारी के साथ रहती हैं और जो कर्मचारी पर पूर्णतया आश्रित हैं ।
- iii) माता— पिता तथा/या सौतेली माँ, जो कर्मचारी पर पूर्णतया आश्रित हैं; चाहे वे कर्मचारी के साथ रहते हैं या नहीं ।
- iv) अविवाहित छोटे भाई और साथ ही अविवाहित, तलाकशुदा, पतियों द्वारा छोड़ दी गई, उनसे अलग हुई या विधवा बहनें, जो पूर्णतया कर्मचारी पर आश्रित हों, इसको ध्यान में

रखे बिना कि चाहे वे कर्मचारी के साथ रहते हैं या नहीं, बशर्ते कि उनके माता—पिता जीवित नहीं है या वे खुद पूर्णतया कर्मचारी पर आश्रित हों।

व्याख्या :-

- (1) रियायत के लिए केवल जीवित बच्चे या सौतेले बच्चे होने का प्रतिबंध निम्नलिखित के विषय में लागू नहीं होगा :-
 - (i) वे कर्मचारी जिनके पास यह प्रतिबंध लागू होने अर्थात् 20/10/1997 से पहले ही दो से अधिक बच्चे हैं।
 - (ii) इस प्रतिबंध के लागू होने से एक वर्ष की अवधि के भीतर जन्में बच्चे।
 - (iii) बच्चों की संख्या इस कारण ज्यादा है क्यों कि दूसरे बच्चे के जन्म के समय एक से अधिक बच्चे पैदा हुए हों।
- (2) इन विनियमों के प्रयोजन के लिए "परिवार" शब्द में एक से अधिक पत्नी शामिल नहीं है।
- (3) छुट्टी यात्रा रियायत के लिए पात्र होने के लिए यद्यपि यह आवश्यक नहीं है कि पति या पत्नी तथा बच्चे कर्मचारी के साथ निवास करें, परन्तु उन्हें दी जानेवाली रियायत, यात्रा की गई वास्तविक दूरी या मुख्यालय/ स्थान जहां कर्मचारी तैनात हों और होम टाउन/यात्रा के स्थान के बीच की दूरी, जो भी कम हो तक ही, सीमित होगी।
- (4) तलाकशुदा, पति द्वारा छोड़े गए, उनसे अलग हुए या विधवा बहनों के बच्चे "परिवार" शब्द में शामिल नहीं हैं।
- (5) परिवार का सदस्य जिसकी अन्य स्रोतों से, जिसमें पेंशन पर मंहगाई भत्ता या वृत्तिका आदि के सिवाय पेंशन, पेंशन में अस्थायी वृद्धि शामिल है, प्राप्त आय रु. 1,500/- प्र.म. से अधिक नहीं है, को पूर्णतया कर्मचारी पर आश्रित माना जाएगा।

(ख) विनियम - 6 में, "परिवार" शब्द की परिभाषा के अंतिम खंड को व्याख्या - 6 के रूप में विनियम - 2 के नीचे निम्नभाँति संख्या दी जाए :-

- (6) "यदि पति और पत्नी दोनों कर्मचारी हैं, तो पति या पत्नी को देय मानदण्ड के आधार पर परिवार को रियायत ग्राह्य होगी, दोनों को नहीं।"

(ग) विनियम - 2 के व्याख्या - 6 के नीचे निम्नलिखित टिप्पणी जोड़ें :-

"टिप्पणी" :- "बच्चे" शब्द में वे बच्चे शामिल हैं जिन्हें कर्मचारी द्वारा "संरक्षक तथा वार्ड अधिनियम, 1890 के तहत वार्ड के रूप में लिया गया है बशर्ते कि ऐसे वार्ड को परिवार के एक सदस्य के रूप में माना जाता है और बशर्ते कि कर्मचारी ने अपनी विशेष वसीयत द्वारा उस वार्ड को वही हैसियत दी है जो स्वाभाविक संतान को दी है।"

2. निम्नलिखित परिभाषाओं को नए उप-खंड (ज) तथा (ट) के रूप में जोड़ा जाए :-

ज) "होम टाउन" का अर्थ वह टाउन, गांव या कोई अन्य स्थान है जो कर्मचारी द्वारा घोषित किया गया हो तथा नियंत्रण अधिकारी द्वारा स्वीकृत किया गया हो।

ट) "सबसे छोटा सीधा रास्ता" का वही अर्थ होगा, जैसा कि अनुपूरक नियम—30 तथा उसके तहत समय-समय पर जारी आदेशों में दिया गया है अथवा जैसा कि ड्यूटी पर होते हुए यात्रा करने के लिए मान्य है ।"

3. मौजूदा विनियम - 3 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"3. अनुप्रयोग का विस्तार :

(1) अनुप्रयोज्यता :-

उप विनियम - (2) के प्रावधानों के अधीन ये विनियम निम्नलिखित सभी व्यक्तियों के लिए लागू होंगे :-

- (क) जो मंडल के कर्मचारी हैं ।
- (ख) औद्योगिक और कार्य प्रभारित कर्मचारी, जो नियमित अवकाश के पात्र है ।
- (ग) जो ठेका आधार पर नियुक्त किए गए हैं ।
- (घ) जिन्हें उनकी सेवा-निवृत्ति के पश्चात पुनःनियुक्त किया गया है ।
- (ङ.) एक एस्कॉर्ट जो विनियम - 4 के उप - विनियम (4) में निर्धारित शर्तों के अधीन, किसी विकलांग कर्मचारी के साथ जाता है ।

(2) अप्रयोज्यता :-

ये विनियम निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगे :-

- (क) जो कर्मचारी मंडल के पूर्ण - कालिक सेवा में नहीं है ।
- (ख) जो व्यक्ति आकस्मिक तथा दैनिक मजदूरी वाला कर्मचारी है ।
- (ग) जिन व्यक्तियों को भुगतान आकस्मिक निधि से किया जाता है ।
- (घ) जो व्यक्ति छुट्टी के दौरान या अन्यथा किसी अन्य प्रकार की यात्रा रियायत का पात्र है ।
- (ङ.) कर्मचारी के पति या पत्नी, जो भारतीय रेल तथा नेशनल एयरलाइन्स में नियोजित है, तथा जो भारत में किसी भी जगह यात्रा करने के लिए "फ्री पास" सुविधा का हकदार है ।
- (च) निलंबित कर्मचारी परन्तु उसका परिवार रियायत ले सकता है ।

4.(i) मौजूदा विनियम - 19 को विनियम - 4 के रूप में नई संख्या दी जाए तथा निम्न भाँति प्रतिस्थापित किया जाए :-

"4. किसी विशेष कर्मचारी वर्ग के बारे में विशेष प्रावधान**(1) पात्रता :-**

विनियम - 3 के उप - विनियम - (1) के खंड (ख) तथा (ग) में उल्लिखित वर्गों से संबंधित व्यक्तियों के मामले में यह छुट्टी यात्रा रियायत तब दी जाएगी जब मंडल के अधीन उनकी एक वर्ष की लगातार सेवा पूर्ण हुई हो बशर्ते कि उपर्युक्त प्रशासनिक प्राधिकारी द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि होम टाउन जाने के लिए छुट्टी यात्रा रियायत के मामले में संबंधित कर्मचारी मंडल के अधीन अपनी सेवा को कम-से-कम दो वर्ष की अवधि के लिए जारी रखेगा तथा भारत में किसी भी जगह यात्रा रियायत के मामले में कम-से-कम चार वर्षों की सेवा जारी रखेगा, जिसकी गणना मंडल के अधीन पदभार ग्रहण करने की तारीख से की जाएगी ।

(2) ठेका कर्मचारी :-

यदि कर्मचारियों को ठेका आधार पर नियुक्त किया गया है, जहां पर प्रारंभिक ठेका अवधि एक वर्ष की है परन्तु बाद में यह अवधि बढ़ाई जाती है तो छुट्टी यात्रा रियायत के लिए ठेके की कुल अवधि को ध्यान में रखा जाएगा ।"

(ii) मौजूदा विनियम - 20 को नई संख्या दी गई विनियम - 4 के उप - विनियम -(3) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"(3) पुनःनियोजित सेवा निवृत्त कर्मचारी"

यदि सेवा निवृत्ति के तुरन्त बाद व्यक्तियों को बिना ब्रैक दिए पुनः नियोजित किया जाता है तो छुट्टी यात्रा रियायत के प्रयोजनार्थ पुनः नियोजन सेवा अवधि को पहली सेवा के साथ निरंतर सेवा माना जाएगा तथा पुनः नियोजित अवधि के लिए यह रियायत देय होगी, बशर्ते कि यह रियायत पुनःनियोजित कर्मचारी के लिए तब देय होगी जब वह सेवानिवृत्त नहीं होता बल्कि सेवारत कर्मचारी के रूप में निरंतर कार्य करता रहता ।

स्पष्टीकरण:-

यदि कर्मचारी ने सेवानिवृत्ति पूर्व चार वर्ष के ब्लाक में, भारत में किसी भी जगह यात्रा करने के लिए रियायत ली है तथा उसे बिना ब्रैक दिए पुनःनियोजित किया जाता है तो वह उस चार वर्ष के ब्लाक के समाप्त होने तक यह रियायत नहीं ले सकता ।"

(iii) नए संख्यांकित विनियम-4 के उप-विनियम (4) के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाए :-

"(4) विकलांग कर्मचारियों के लिए एस्कार्ट "

विकलांग कर्मचारी के साथ जानेवाले एस्कार्ट के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन एलटीसी सुविधा दी जा सकती है :-

- (क) प्रत्येक अवसर पर संबंधित विभागाध्यक्ष की पूर्व अनुमति प्राप्त की जाती है ।
- (ख) कर्मचारी की शारीरिक असमर्थता इस प्रकार की हो कि यात्रा के लिए एस्कार्ट की उपस्थिति अनिवार्य है । यदि कोई शंका हो तो विभागाध्यक्ष का निर्णय ही अंतिम होगा।
- (ग) शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारी के परिवार में कोई वयस्क सदस्य नहीं है ।
- (घ) ऐसे मामले में रेलवे/राज्य सड़क प्राधिकरण द्वारा रेल/बस शुल्क में दी गई रियायत को,

कर्मचारी तथा एस्कॉर्ट ले सकते हैं ।

(ड.) कोई अन्य व्यक्ति, जो एलटीसी के लिए हकदार है, विकलांग कर्मचारी के साथ यात्रा नहीं करता है ।"

5. निम्नलिखित को नए विनियम - 5 के रूप में जोड़ा जाए :-

"विस्तार :- छुट्टी यात्रा रियायत, कर्मचारी तथा उनके परिवार के लिए लागू हैं ।"

6. (i) मौजूदा विनियम - 9 को विनियम - 6 के रूप में नई संख्या दी जाए ।

(ii) **विनियम - 6 में**

क) उप - विनियम (1) के लिए उप शीर्षक **"समयावधि"** जोड़ा जाए ।

ख) उप - विनियम - 1 के अंत में निम्नलिखित वाक्य जोड़ा जाए :-

"सेवा शुरू करने की तारीख से छः महीनों की समाप्ति के पूर्व इस प्रकार की घोषणा इस प्राधिकारी से करनी है, जो कि टी.ए के दावे के संबंध में कर्मचारी के नियंत्रण अधिकारी के रूप में घोषित है । घोषणा के लिए कोई विशेष फॉर्म निर्धारित नहीं किया गया है । तथापि, यदि कोई अधिकारी, यात्रा भत्ता के प्रयोजनार्थ स्वयं अपना नियंत्रण अधिकारी है तो उन्हें उस पर अपने अद्याक्षर करने होंगे अथवा अपनी होम टाऊन की कोई घोषणा अपने अगले वरिष्ठ प्रशासनिक प्राधिकारी के पास अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करनी होगी ।

यह घोषणा सेवा पुस्तिका में रखी जाएगी"

(ग) उप - विनियम (2) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"(2) होम टाऊन की घोषणा की जांच :-

कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत, होम टाऊन की घोषणा की विस्तृत जांच करने की आवश्यकता नहीं है । कर्मचारी द्वारा की गई घोषणा को आरंभ में स्वीकार किया जाए और केवल तभी उसकी विस्तृत जांच की जाए, जब वह उसमें कोई परिवर्तन करना चाहता हो ।"

(घ) उप - विनियम (3) को हटा दिया जाए ।

ड.) उप - विनियम (4) को उप - विनियम - (3) के रूप में नई संख्या दी जाए, तथा **"समयावधि की समाप्ति के पश्चात होम टाऊन की घोषणा"** इस उप - शीर्षक को जोड़ा जाए और साथ ही "यह होम टाऊन" और "के लिए (च) अंतिम घोषणा" के बीच में "जैसा कि विनियम - 7 में विहित है" को जोड़ा जाए ।

(घ) उप - विनियम (5) को उप - विनियम (4) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा उसके लिए **"होम - टाऊन का रजिस्टर"** यह उप शीर्षक जोड़ा जाए ।

7(i) मौजूदा विनियम - 8 को विनियम - 7 के रूप में नई संख्या दी जाए तथा **"होम टाऊन"** इस शीर्षक को **"होम टाऊन में बदलाव"** इस शीर्षक से बदला जाए ।

(ii) विनियम 7 में

"होम टाउन से अभिप्राय है वह अनुपस्थित न रहते" वाक्य को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"एक बार घोषित तथा नियंत्रण अधिकारी द्वारा स्वीकृत होम टाउन को अंतिम माना जाएगा । आपवादिक स्थितियों में अध्यक्ष या उपाध्यक्ष उस घोषणा में बदलाव करने का प्राधिकार दे सकते हैं, बशर्ते कि यह बदलाव, कर्मचारी की सेवा के दौरान एक से अधिक बार न किया गया हो । मंडल में प्रतिनियुक्त व्यक्तियों के मामले में, ऐसे अनुरोध तभी लागू होंगे जब प्रदान प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन प्राप्त किया गया हो ।

(ख) "कर्मचारी द्वारा " शब्दों के पहले "टिप्पणी" शब्द को जोड़ा जाए ।

8.(i) निम्नलिखित को नया विनियम - 8(i) के रूप में जोड़ा जाए :-

"8. छुट्टी यात्रा रियायत के तहत भारत में किसी भी दर्शनीय स्थान की घोषणा "

(1) अग्रिम में घोषित किया जानेवाला अभिप्रेत दर्शनीय स्थान

कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा भारत में किसी स्थान का दर्शन करने के लिए रियायत लेने का प्रस्ताव है, तब कर्मचारी को अभिप्रेत दर्शनीय स्थान की घोषणा नियंत्रण अधिकारी के पास अग्रिम में करनी होगी । नियंत्रण अधिकारी के अनुमोदन से, यात्रा शुरू करने से पूर्व, घोषित दर्शनीय स्थान को बदला जा सकता है परन्तु यह, यात्रा शुरू होने के पश्चात बदला जाए, सिवाय उन आपवादिक स्थितियों के, जहां पर यह स्थापित हो गया है कि कर्मचारी के नियंत्रण के बाहर की स्थितियों के कारण यात्रा शुरू होने से पूर्व, बदलाव के लिए अनुरोध नहीं किया जा सका, बशर्ते कि आगे यह स्थापित किया गया है कि यह मध्यवर्ती स्थान, अग्रिम में घोषित स्थान के ही रास्ते में पड़ता है । श्रेणी I तथा II के अधिकारियों के मामले में अध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा और श्रेणी III तथा IV के कर्मचारियों के मामले में विभागाध्यक्ष द्वारा यह छूट दी जाएगी ।"

(ii) निम्नलिखित को नए उप - विनियम - (2) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(2) कर्मचारी तथा उसके परिवार के सदस्य द्वारा भारत में किसी भी जगह दर्शनीय स्थान "

चार वर्ष के ब्लाक में कर्मचारी तथा उसके परिवार का सदस्य अपनी पसंद के विविध जगहों का दर्शन कर सकता है । यह आवश्यक नहीं है कि कर्मचारी के परिवार का सदस्य भी उसी जगह का दर्शन करें, जिसका कर्मचारी द्वारा उसी ब्लाक में किसी समय किया गया था ।

9.(i) विनियम - 17 को विनियम - 9 के रूप में नई संख्या दी जाए तथा उसके शीर्षक को "छुट्टी के दौरान छुट्टी यात्रा रियायत की स्वीकार्यता" में बदला जाए ।

(ii) विनियम - 9 में

(क) निम्नलिखित को उसके तहत दी गई टिप्पणी के सहित उप - विनियम - (1) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(1) यह छुट्टी यात्रा रियायत विनियम - 3 के खंड (क) (ख) तथा (ग) में निर्दिष्ट वर्गों के व्यक्तियों के लिए तभी ग्राह्य होगी यदि उन्होने, अपने द्वारा या अपने परिवार के सदस्य के द्वारा जैसी भी स्थिति हो, की गई यात्रा की तारीख को मंडल के अधीन एक वर्ष की लगातार सेवा पूर्ण की है ।

टिप्पणी :- हड़ताल, आदि के कारण अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने की अवधि को सेवा में ब्रेक माना जाएगा जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, निरंतर सेवा की स्यूनतम अवधि की गणना करते समय इसे माफ नहीं किया जाता है ।"

(ख) उप विनियम (1) को उप विनियम (2) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"(2) किसी भी छुट्टी के दौरान, यथा -- अर्जित छुट्टी, अर्ध -- वेतन छुट्टी, परिणत छुट्टी, असाधारण छुट्टी, प्रसूति छुट्टी तथा विशेष आकस्मिक छुट्टी शामिल है, जिनकी कालावधि कुछ भी हो यह छुट्टी यात्रा रियायत ग्राह्य होगी ।"

स्पष्टीकरण :- यदि कोई कर्मचारी बिना कोई छुट्टी लिए सप्ताहान्त छुट्टियों में यात्रा करता है तो वह छुट्टी यात्रा रियायत का हकदार नहीं होगा ।"

(ग) निम्नलिखित को उप - विनियम (3) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(3) यह रियायत, सेवानिवृत्ति पूर्व छुट्टी के दौरान भी ली जा सकती है बशर्ते कि वापसी यात्रा छुट्टी की समाप्ति के पूर्व की गई हो "

(iii) विनियम 17 में,

(क) उप विनियम (1) के अंतिम दो वाक्य को उप - विनियम (4) के रूप में नई संख्या दी जाए ।

(ख) उप - विनियम (2) को उप - विनियम (5) के रूप में नई संख्या दी जाए ।

(ग) उप - विनियम (3) को उप - विनियम (6) के रूप में नई संख्या दी जाए ।

10.(i) "हकदारी की आवृत्ति" शीर्षक को "छुट्टी यात्रा रियायत के प्रकार और आवृत्ति" से प्रतिस्थापित किया जाए तथा मौजूदा विनियम - 4 को विनियम - 10 के रूप में नई संख्या दी जाए ।

(ii) उप - विनियम (1), (2), (3) तथा (4) को क्रमशः (क), (ख), (ग), तथा (घ) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"(क) आवृत्ति :-"

कर्मचारी के मुख्यालय तथा उसके होम टाउन के बीच की दूरी जो भी हो दो कैलेण्डर वर्षों के ब्लाक में एक बार जैसे 1986-87, 1988-89 तथा इस प्रकार से, होम टाउन के लिए यह छुट्टी यात्रा रियायत ग्राह्य होगी ।

(ख) "होम टाउन के लिए एलटीसी" के बदले में "भारत में किसी भी जगह" के लिए "एलटीसी"

कर्मचारी के मुख्यालय से दर्शनीय स्थान की दूरी जो भी हो, चार कैलेण्डर वर्षों के ब्लाक में एक बार, जैसे 1986-89, 1990-93 तथा इस प्रकार से भारत में किसी भी जगह के लिए यह छुट्टी यात्रा रियायत ग्राह्य है ;

बशर्ते कि, यदि कर्मचारी, जिसे होम टाउन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत ग्राह्य है, उसके द्वारा भारत में किसी भी जगह के लिए ली गई छुट्टी यात्रा रियायत यात्रा शुरू होने के समय उसके लिए उपलब्ध होम टाउन की छुट्टी यात्रा रियायत के बदले में होगी तथा उसके बाबत समझन किया जाएगा ।

ग) यदि परिवार होम टाउन में है :-

जिस कर्मचारी का परिवार उससे दूर होम टाउन में रहता है वह इस योजना के तहत देय सभी रियायतों, जिसमें चार वर्षों के ब्लाक में एक बार भारत में किसी भी जगह के दर्शन के लिए देय छुट्टी यात्रा रियायत शामिल है जो उसे तथा उसके परिवार के सदस्यों अन्यथा ग्राह्य होती, के बदले में, वर्ष में एक बार होम टाउन के दर्शन हेतु मात्र स्वयं के लिए छुट्टी यात्रा रियायत ले सकता है ।

घ) यदि कर्मचारी अविवाहित है :-

अविवाहित कर्मचारी, जिन्होंने अपने पूर्णतया आश्रित माता - पिताओं, बहनों, छोटे भाईयों को अपने होम टाउन में रख छोड़ा है, उन्हें हर वर्ष अपने होम टाउन के दर्शन के लिए एलटीसी की सुविधा दी जा सकती है । यह रियायत, कर्मचारी को स्वयं तथा उनके माता - पिता, बहनों तथा छोटे भाईयों को ग्राह्य अन्य सभी एलटीसी सुविधाओं के बदले में होगी ।"

11.(i) मौजूदा विनियम - 4 के उप - विनियम (4) को विनियम 11 के उप विनियम (1) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा "छुट्टी यात्रा रियायत को अग्रेनित करना " यह शीर्षक जोड़ा जाए ।

(ii) विनियम - 11 के नीचे दृष्टान्त - 1 के बाद निम्नलिखित खंड को जोड़ा जाए " यदि कर्मचारी होम टाउन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत का हकदार है तो वह चार वर्षों के ब्लाक के लिए भारत में किसी भी जगह के लिए छुट्टी यात्रा रियायत को अग्रेनित कर सकता है परन्तु केवल यदि उसने चार वर्षों के ब्लाक के भीतर दो वर्षों के दूसरे ब्लाक के लिए, होम टाउन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत को अग्रेनित किया है । "

(iii) विनियम - 11 के नीचे मौजूदा दृष्टान्त -2 को निम्नलिखित दृष्टान्त से प्रतिस्थापित किया जाए :-

"दृष्टान्त - 2 :

वर्ष 1998- 2001 के ब्लाक के दौरान कर्मचारी दो रियायतें ले सकता है यथा - एक 1998 - 99 ब्लाक के लिए तथा दूसरा 2000 - 2001 ब्लाक के लिए ।

उपरोक्त दो रियायतों में से वह निम्नलिखित ले सकता है ।

(i) दोनों, होम टाउन के लिए

(ii) प्रथम ब्लाक, भारत में किसी भी जगह तथा दूसरा ब्लाक, होम टाउन के लिए अथवा,

(iii) प्रथम ब्लाक होम टाउन के लिए तथा दूसरा भारत में किसी भी जगह के लिए

केवल निम्नलिखित मामले में ही कर्मचारी, भारत में किसी भी जगह यात्रा करने की रियायत को 2002 तक अग्रेनित कर सकता है :-

(i) यदि उसने ब्लाक वर्ष 1998-99 के लिए रियायत नहीं ली है, तथा

(ii) यदि उसने ब्लाक 2000 - 2001 के लिए होम टाउन जाने हेतु रियायत नहीं ली है ।

यदि कर्मचारी द्वारा ब्लाक 1998-99 को देय रियायत नहीं ली गई है (माफी - अवधि के समाप्ति पूर्व) तो उसे रियायत नहीं मिल सकती तथा वह उसे 2002 तक अग्रेनित नहीं कर सकता है ।"

12 निम्नलिखित को नए विनियम -12 के उप - विनियम (1) के रूप में जोड़ा जाए :-

"12. परिवार :-"

(1) पति तथा पत्नी दोनों मंडल के कर्मचारी है :-

जहां पति और पत्नी दोनों मंडल के कर्मचारी हैं, वे अपने विकल्प से, अलग - अलग होम टाउन घोषित कर सकते हैं तथा दोनों अपने संबंधित परिवारों के सदस्य के संबंध में, मु.प.क. (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम, 1964 के तहत, अलग से रियायत का दावा कर सकते हैं, परन्तु इस शर्त के अधीन कि यदि पति अपनी पत्नी के तथा पत्नी अपने पति के परिवार के सदस्य के रूप में यह सुविधा लेते हैं, तो उसे स्वतंत्र रूप से स्वयं के लिए रियायत का दावा करने का अधिकार नहीं है । इसी भांति बच्चे भी माता या पिता में से किसी एक के परिवार के सदस्य के रूप में केवल एक ही ब्लाक में इस सुविधा के हकदार होंगे ।

13.(i) मौजूदा विनियम - 7 को विनियम - 12 के उप - विनियम (2) के रूप में नई संख्या दी जाए ।

(ii) विनियम 12 में

क) निम्नलिखित को उप - विनियम (3) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(3) विशिष्ट ब्लाक के बाबत छुट्टी यात्रा रियायत की गणना :-

छुट्टी यात्रा रियायत लेने वाले कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य दो या चार वर्षों, जैसी भी स्थिति हो, के ब्लाक के दौरान अलग अलग समय पर विविध गुटों में यात्रा कर सकते हैं । इस रियायत की गणना दो वर्षों या चार वर्षों के ब्लाक के बाबत की जाएगी, जिसमें जावक यात्रा शुरु की जानी होगी, चाहे वापसी यात्रा, दो वर्ष या चार वर्ष की समाप्ति के पश्चात की गई हो । पुनः संख्यांकित विनियम 11(1) के अनुसार अग्रेनित छुट्टी यात्रा रियायत के लिए यह लागू होगा ।"

ख) निम्नलिखित को उप - विनियम (4) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(4) परिवार के कुछ सदस्य होम टाउन के लिए रियायत ले सकते हैं जब कि कुछ अन्य सदस्य उसी दो वर्ष के ब्लाक में, भारत में किसी भी जगह के दर्शन के लिए रियायत ले सकते हैं ।

चूंकि कर्मचारी तथा उसके परिवार के विविध सदस्य अलग - अलग गुटों में यह एलटीसी सुविधा ले सकते हैं, इसी कारण उन्हीं वर्षों के ब्लाक में परिवार के विभिन्न सदस्यों को होम टाउन एलटीसी और भारत में किसी भी जगह के लिए एलटीसी अनुमत करने में कोई आपत्ति नहीं होगी, बशर्ते कि ऐसी रियायत अन्यथा ग्राह्य है, तथापि, प्रत्येक सदस्य के संबंध में सही लेखा अनुरक्षित किया जाए जिससे कि उत्तरवर्ती ब्लाकों के लिए एलटीसी की ग्राह्यता के बारे में कोई संभ्रान्ति न हो ।"

ग) निम्नलिखित को नए उप - विनियम (5) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(5) कर्मचारी तथा उसके परिवार द्वारा अलग - अलग दावे प्रस्तुत करना :-

जब कर्मचारी तथा उसका परिवार अलग - अलग यात्रा करते हैं तो उनके द्वारा अलग - अलग दावा किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। तथापि, प्रत्येक मामले में, यह दावा जावक तथा आवक यात्राओं के लिए करना होगा।"

14.(i)(क) विनियम - 5 को विनियम - 13 के रूप में नई संख्या दी जाए।

ख) मुख्य विनियम के लिए निम्नलिखित शीर्षक जोड़ा जाए :-

"मंडल सहायता की परिसीमा"

(ii) विनियम 13 में,

क) उप - विनियम (1) के लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"यह जरूरी नहीं है कि यात्रा का आरंभ और अंत मुख्यालय से ही हो।"

ख) उप - विनियम (2) के लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"किसी भी श्रेणी में यात्रा"

ग) निम्नलिखित को नए उप - विनियम (3) के रूप में जोड़ा जाए :-

"3) ड्यूटी स्टेशन से भिन्न अन्य स्टेशन से यात्रा :-

यदि कर्मचारी तथा उसका परिवार किसी कारणवश ड्यूटी की जगह से दूर रहते हैं तो निवास स्थान से दर्शनीय स्थान/होम टाउन तक तथा वहां से वापस निवासस्थान तक के लिए छुट्टी यात्रा रियायत अनुमत की जाए, बशर्ते कि ड्यूटी स्टेशन से होम टाउन या घोषित दर्शनीय स्थान, जैसी भी स्थिति हो, के बीच के सबसे छोटे मार्ग द्वारा रेल भाड़ा तक यह दावा सीमित हो। ऐसे मामले में कर्मचारी को अपने ड्यूटी के स्थान से भिन्न अन्य स्थान पर निवास करने के बारे में कारण प्रस्तुत करने होंगे तथा नियंत्रण अधिकारी को, निवास स्थान के संदर्भ में दावा स्वीकार करने से पूर्व उन कारणों की प्रामाणिकता से संतुष्ट होना होगा।"

घ) निम्नलिखित को नए उप - विनियम (4) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(4) जब मुख्यालय से भिन्न स्थान में पति/पत्नी और आश्रित बच्चों को छोड़ रखा है :-

जब कर्मचारी द्वारा अपने पति/पत्नी तथा आश्रित बच्चों को मुख्यालय से भिन्न स्थान में छोड़ रखा है तब उन्हें, उनके संबंध में, उनके निवास स्थान से होम टाउन के लिए दो वर्ष के ब्लाक में तथा भारत में किसी भी जगह के लिए 4 वर्षों के ब्लाक में, जैसी भी स्थिति हो, छुट्टी यात्रा रियायत मंजूर की जा सकती है, परन्तु उसकी प्रतिपूर्ति किसी भी स्थिति में, परिवार द्वारा यात्रा की गई वास्तविक दूरी या मुख्यालय/कर्मचारी का तैनाती स्थान, से दर्शनीय स्थान/होम टाउन, जो भी कम हो, के बीच की वास्तविक दूरी से अधिक न हो, "परिवार" की परिभाषा के अन्तर्गत आनेवाले अन्य सदस्यों के मामले में, मौजूदा शर्तें तथा प्रतिबंध लागू रहेंगे।"

15.(i) मौजूदा विनियम 10 को विनियम - 14 के रूप में नई संख्या दी जाए ;-

विनियम - 14 में,

क) निम्नलिखित को नए उप-विनियम (1) के रूप में जोड़ा जाए तथा मौजूदा उप विनियम (1)

से (10) को (2) से (11) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाए।

"(1) एलटीसी के दौरान रेल द्वारा यात्रा के लिए हकदारी निम्नवत होगी :-

क) तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी :**साधारण ट्रेन से यात्रा :****वेतन सीमा****हकदारी**

रु. 5000/- से कम

द्वितीय स्लीपर

रु. 5000/- तथा उससे ऊपर

प्रथम श्रेणी/एसी 3 टायर स्लीपर/

परन्तु रु. 9000/-से कम

एसी चैयर कार

रु. 9000/- व उससे ऊपर परन्तु

द्वितीय एसी 2 टायर स्लीपर/प्रथम

रु. 12000/- से कम

श्रेणी/एसी 3 टायर

(*) यदि दोनों स्टेशनों के बीच सीधे छोटे मार्ग की किसी भी ट्रेन में उपरोक्त किसी भी श्रेणी की व्यवस्था नहीं है तो कर्मचारी एसी 2 टायर से यात्रा कर सकता है ।

राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा यात्रा :-**वेतन - सीमा****हकदारी**

रु. 5000/- से कम

रु. 5000/- तथा उससे ऊपर

परन्तु रु. 9000/-से कम

एसी चैयर कार

रु. 9000/- व उससे ऊपर परन्तु

द्वितीय एसी 2 टायर

रु. 12000/- से कम

स्लीपर

शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा यात्रा :-**वेतन - सीमा****हकदारी**

रु. 5000/- से कम

रु. 5000/- तथा उससे ऊपर

परन्तु रु. 9000/-से कम

एसी चैयर कार

रु. 9000/- व उससे ऊपर परन्तु

एसी चैयर कार

रु. 12000/- से कम

टिप्पणी :- राजधानी/शताब्दी ट्रेनों से यात्रा का दावा तभी मंजूर किया जाएगा जब वास्तव में इन ट्रेनों से यात्रा की गई हो । दोनों ओर की यात्रा राजधानी/शताब्दी ट्रेनों से सीधे जुड़ी हुई हो ।

(ख) उपाध्यक्ष तथा प्रथम द्वितीय श्रेणी अधिकारी**साधारण ट्रेन****मूल वेतन + नॉन - प्रेकिटसिंग भत्ता**

रु. 11000/- तथा ऊपर

एसी प्रथम श्रेणी

रु. 8600/- से रु. 10,999/- तक

द्वितीय एसी 2 टायर स्लीपर/प्रथम श्रेणी

राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से यात्रा :-**हकदारी****मूल वेतन + नॉन - प्रेकिटसिंग भत्ता**

रु. 11000/- तथा ऊपर

एसी प्रथम श्रेणी

रु. 8600/- से रु. 10,999/- तक

द्वितीय एसी स्लीपर

शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन से यात्रा :-

हकदारी

मूल वेतन + नॉन - प्रेक्टिसिंग भत्ता

रु. 11000/- तथा ऊपर

एसी चेयर कार

रु. 8600/- से रु. 10,999/- तक

एसी चेयर कार

टिप्पणी :- राजधानी/शताब्दी ट्रेनों से यात्रा का दावा तभी मंजूर किया जाएगा जब वास्तव में इन ट्रेनों से यात्रा की गई हो। दोनों ओर की यात्रा शताब्दी/राजधानी ट्रेनों से सीधी जुड़ी हुई हो।

जब रेल द्वारा अंशतः निम्नतम श्रेणी से तथा अंशतः हकदारी श्रेणी से, लम्बे मार्ग से यात्रा की जाती है तब वास्तव में इस्तेमाल किए गए ऐसे माध्यमों से की गई यात्रा की दूरी के अनुपात में विभिन्न माध्यमों/श्रेणियों के लिए छोटे मार्ग से मील दूरी भत्ते की गणना कर अनुपातिक आधार पर दावे का नियमन किया जाना है।

ख) उप-विनियम (1) के लिए निम्नलिखित उप शीर्षक को जोड़ा जाए :-

"यात्रा की तारीख को हैसियत के आधार पर रेल आवास की श्रेणी और उसी यात्रा में उच्च या निम्न श्रेणी "

ग) उप - विनियम (3) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (1) के अंत में निम्नलिखित खंड को जोड़ा जाए :-

"यदि ट्रेन में हकदार श्रेणी के आवास के लिए कोई प्रावधान नहीं है और कर्मचारी उच्च श्रेणी में एलटीसी पर यात्रा करता है तो उसके दावे को हकदार श्रेणी तक ही सीमित रखना होगा।"

घ) उप - विनियम (3) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (2) के लिए निम्नलिखित उप शीर्षक जोड़ा जाए :-

"वापसी रेल यात्रा की रियायती टिकटे " तथा कोष्टक में "भारत में किसी भी दर्शनीय स्थान" इन शब्दों के पहले, "आवास की श्रेणी, जिसके लिए सर्कुलर यात्रा टिकट वास्तव में खरीदी गई थी, या हकदार श्रेणी द्वारा सबसे छोटे सीधे रास्ते से " इस शब्दों को जोड़ा जाए।

(ङ.) उप - विनियम (4) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (3) के लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"निम्न श्रेणी से रेल यात्रा"

(च) उप - विनियम (5) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (4) के लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"रेल स्लीपर आवास"

(छ) उप - विनियम (6) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (5) के लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"मेल/एक्सप्रेस ट्रेन से रेल यात्रा"

(ज) उप - विनियम (7) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (6) के लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"दो विभिन्न श्रेणियों में, दो चरणों में लम्बे रास्ते से रेल यात्रा"

(अ) उप - विनियम (7) के रूप में पुनःसंख्यांकित उप विनियम (6) के नीचे निम्नलिखित को उदाहरण के रूप में जोड़ा जाए :-

"उदाहरण :- यदि लम्बे रास्ते से यात्रा की गई कुल दूरी 1,100 कि.मी. है और सबसे छोटे रास्ते से यह दूरी 1000 कि.मी. है तथा यदि संबंधित कर्मचारी द्वारा आरंभिक 800 कि.मी. की यात्रा दूसरी श्रेणी द्वारा की गई है तथा शेष 300 कि.मी. की यात्रा पहली श्रेणी द्वारा की गई है तो ऐसे मामले में व्यय किए गए खर्च की प्रतिपूर्ति में मंडल का हिस्सा निम्न भाँति होगा :

(i) मील-दूरी, जिसके लिए II - श्रेणी शुल्क ग्राह्य है :

$$\begin{array}{l} \text{दूसरी श्रेणी द्वारा की गई वास्तविक यात्रा} \quad \times \quad \text{सबसे छोटे रास्ते द्वारा कुल दूरी} \\ \text{लम्बे रास्ते से तय की गई दूरी} \\ = \frac{800 \times 1000}{1100} = 727 \text{ कि.मी.} \\ \text{(पूर्णांकित)} \end{array}$$

(ii) मील-दूरी, जिसके लिए प्रथम - श्रेणी भाड़ा ग्राह्य है :

$$\begin{array}{l} \text{प्रथम श्रेणी द्वारा वास्तव में यात्रा की गई दूरी} \quad \times \quad \text{सबसे छोटे रास्ते द्वारा कुल दूरी} \\ \text{लम्बे रास्ते द्वारा कुल दूरी} \\ = \frac{300 \times 1000}{1100} = 273 \text{ कि.मी.} \\ \text{(पूर्णांकित)} \end{array}$$

(झ) निम्न प्रकार से नया उप - विनियम (8) जोड़ा जाए :-

"8) जब विभिन्न परिवहन माध्यमों से लम्बे रास्ते द्वारा यात्रा की जाती है :-

यदि, कर्मचारी विभिन्न परिवहन माध्यमों से लम्बे रास्ते द्वारा यात्रा करता है तो रेल द्वारा किए गए यात्रा के संबंध में अनुपातिक रूप से प्रतिपूर्ति की जाए और रेल द्वारा उनको ग्राह्य हकदारी या सड़क द्वारा यात्रा के लिए व्यक्ति द्वारा अदा किए गए वास्तविक भाड़ा जो भी कम हों, के अनुसार शेष सबसे छोटी दूरी की प्रतिपूर्ति अनुमत की जाए। निपटारे के समय दावों की गणना, प्रत्येक वास्तविक यात्रा माध्यम/छोटी दूरी के मुकाबले तय की गई दूरी के अनुपात के आधार पर, की जाएगी।"

(ट) उप - विनियम (7) को उप - विनियम (9) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा उसके लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"अन्य माध्यमों द्वारा रेल मार्ग से जुड़े स्थानों के बीच यात्रा"

(ठ) उप - विनियम (8) को उप - विनियम (10) के रूप में नई संख्या दी जाए तथा उसके लिए निम्नलिखित उप - शीर्षक जोड़ा जाए :-

"सुपरफास्ट ट्रेन द्वारा यात्रा के लिए विशेष पूरक प्रभार "

(ड) आरक्षण प्रभार के लिए व्यय किए गए अतिरिक्त लागत की भी प्रतिपूर्ति की जाएगी । तथापि, ट्रेन पर शायिका के आरक्षण के लिए रेलवे प्राधिकारियों को अदा किए गए टेलीग्राम प्रभारों की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी ।

यदि, रेल से जुड़े स्थानों के बीच की यात्रा, जिसके लिए छुट्टी यात्रा रियायत अधिमान्य है, रेल से भिन्न माध्यम द्वारा की गई है और यदि इस संबंध में दावा केवल उसी रकम तक सीमित है जो रकम यदि रेल द्वारा यात्रा करने पर ग्राह्य होती, तो प्रतिपूर्ति की जानेवाली रकम में विशेष पूरक प्रभार शामिल नहीं होंगे ।

(ढ.) निम्नलिखित को नए उप विनियम (11) के रूप में जोड़ें :-

"(9) भाड़ें के/चारटेड रेल कोच द्वारा यात्रा :-

चारटेड रेल कोच द्वारा की गई यात्रा तब तक अमान्य है जब तक कि चारटेड दौरा केन्द्रीय या राज्य उपक्रम द्वारा पूर्णतया प्रचालित और संचालित न किया गया है ।"

(ण) निम्नलिखित को नए उप विनियम (12) के रूप में जोड़ा जाए :-

"(12) हवाई जहाज से यात्रा

मात्र पत्तन न्यास के अध्यक्ष ही अपने विकल्प पर राष्ट्रीय केरियर्स या ऐसी प्रथम श्रेणी से यात्रा करने के लिए पात्र है । निजी एयरलाइनों से यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी ।

16.(i) विद्यमान विनियम - 11 को विनियम - 15 के रूप में पुन संख्यांकित किया जाए :-

(ii) विनियम - 15 में,

(क) उप विनियम (1) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :

"15(1) सड़क यात्रा :- रेल से न जुड़े स्थानों पर यात्रा के लिए सभी वर्ग के कर्मचारियों जिसमें प्रथम व द्वितीय श्रेणी अधिकारी भी शामिल है, के लिए यात्रा की हकदारी निम्नवत होगी :-

श्रेणी

पात्रता

प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

क) जो रेल द्वारा प्रथम तथा उससे ऊपर की किसी भी प्रकार की बस द्वारा श्रेणी से यात्रा करने के हकदार है ।

ख) अन्य

साधारण अथवा एक्सप्रेस बस द्वारा

टिप्पणी : वेतन संशोधन के कारण हुए उपरोक्त संशोधन के कार्यान्वयन से पूर्व यदि किसी कर्मचारी/अधिकारी ने वर्तमान में ली गई यात्रा श्रेणी के लाभ पर इन संशोधन के कारण कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

(2)(क) रेल से न जुड़े स्थानों के बीच हवाई यात्रा :-'

रेल से न जुड़े स्थानों के बीच कर्मचारी हवाई यात्रा कर सकता है, जहां यात्रा के दूसरे साधन या तो उपलब्ध नहीं हैं अथवा अधिक खर्चिले हैं ।

(ख) रेल से जुड़े स्थानों के बीच हवाई यात्रा :-

जब कोई कर्मचारी रेल से जुड़े स्थानों के बीच एलटीसी पर हवाई यात्रा करता है तो किराए की प्रतिपूर्ति राजधानी/शताब्दी एक्सप्रेस से भिन्न पात्र श्रेणी के किराए तक सीमित होगी । प्राइवेट एअरलाइनों द्वारा की गई यात्राओं के मामले में शर्तें लागू नहीं होंगी ।

टिप्पणी :- इस उप विनियम के तहत हवाई किराए की मंजूरी के लिए भूतल परिवहन पद्धति की अस्थाई गडबडी को "दूसरे साधनों" की "अनुपलब्धता" नहीं मानी जाएगी । ऐसे मामलों में सड़क यात्रा की पात्र श्रेणी तक प्रतिपूर्ति की जाएगी ।

(घ) निम्नलिखित नए उप विनियम (3) को जोड़ा जाए :-

"(3) नौवहन सेवाओं से जुड़े भारतीय सीमा के स्थलों में कर्मचारी द्वारा जलयान से की गई यात्रा की पात्रता स्थानांतरण में जलयान द्वारा की गई यात्राओं के मामले के अनुसार नियमित की जाएगी ।

(ग) नए उप विनियम (4) को जोड़ा जाए :-**"(4) परिवहन के किसी भी अन्य साधनों से न जुड़े स्थानों के बीच यात्रा :-**

परिवहन के किसी भी अन्य साधनों से न जुड़े स्थानों के बीच की यात्रा के लिए कर्मचारी पोनी, हाथी, ऊंट आदि पशु वाहन से यात्रा कर सकता है । ऐसे मामलों में स्थानान्तरण पर की गई यात्राओं को उन्ही दरों के अनुसार मील भत्ता दिया जाएगा ।"

(क) विद्यमान उप विनियम (3) को हटा दिया जाए ।

17. विद्यमान विनियम 12 को विनियम 16 के रूप में पुनःसंख्याकित करें और निम्नलिखित से प्रतिस्थापित करें :-

"16. छुट्टी यात्रा रियायत योजना के अधीन स्थानीय यात्राओं के लिए आकस्मिक व्यय और खर्चों की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी । यात्रा पर व्यय की प्रतिपूर्ति लघुतम मार्ग से सीधे टिकट पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक की यात्रा के आधार पर दी जाएगी ।

18.(i) विद्यमान विनियम 13 को विनियम 17 से पुनःसंख्याकित किया जाए ।

(ii) विनियम 17 में,

(क) विनियम के अंत में निम्नलिखित खण्ड जोड़े :-

"जहां लघुतम मार्ग से की जाने वाली यात्रा दुर्घटनाओं या अन्य कारणों से अस्त व्यस्त हो तो, वास्तविक मार्ग से की गई यात्रा की प्रतिपूर्ति नियंत्रण अधिकारी द्वारा लेखा विभाग से विचार विमर्श कर मंजूर की जाएगी ।

(ख) विनियम के अधीन व्याख्या को निकाल दिया जाए ।

19.(i) विद्यमान विनियम -14 को विनियम- 18 से पुनःसंख्यांकित करें :-

(ii) विनियम -18 में,

(क) विनियम के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाए :-

"निम्नलिखित प्रकार के मामलों को उदाहरण देकर बताए गए हैं "

(ख) उप विनियम (i) के उदाहरण II के अंत में निम्नलिखित खण्ड को जोड़ा जाए :-

"जब कोई महिला कर्मचारी एलटीसी पर होम टाउन जाती है और होम टाउन में विवाह कर लेती है, उस महिला कर्मचारी के पति को भी महिला कर्मचारी के होम टाउन से मुख्यालय तक यात्रा करने के लिए एलटीसी प्रदान की जाएगी ।"

(ग) उप विनियम (iii) के उदाहरण II में दुबारा आए "तीन" शब्द को "पांच/बारह" शब्दों से प्रतिस्थापित किया जाए ।

20. (i) विद्यमान विनियम- 15 को विनियम -19 से पुनःसंख्यांकित किया जाए ।

(ii) विनियम- 19 में

(क) उप विनियम (1) के लिए निम्नलिखित उप शीर्षक जोड़े :-

"स्थानांतरण यात्रा के साथ छुट्टी यात्रा रियायत "

(ख) उप विनियम (2) में, खण्ड की शुरुआत में, "मामले" शब्द को "मामलों" से प्रतिस्थापित करें और "अधीन" तथा स्थितियों के मध्य "अन्य" शब्द जोड़े ।

(ग) उप विनियम (3) को 3(क) से पुनःसंख्यांकित किया जाए तथा उसके लिए निम्नलिखित उप शीर्षक जोड़ा जाए :-

"दौरा यात्राओं के साथ छुट्टी यात्रा रियायत"

(घ) उप विनियम (4) को उप विनियम 3(ख) से पुनःसंख्यांकित किया जाए :

21. निम्नलिखित के नए विनियम -20 के रूप में जोड़ा जाए :-

"20 प्रशिक्षण के लिए नामित अधिकारी

जब कोई अधिकारी भारत या विदेश में प्रशिक्षण के लिए नामित किया जाता है तो निम्नभांति रियायत दी जाएगी ।

1(क) भारत में प्रशिक्षण

यदि प्रशिक्षण के दौरान मुख्यालय बदला जाता है तो कर्मचारी और उसके परिवार को प्रशिक्षण स्टेशन और होम टाउन के बीच की यात्रा के लिए एलटीसी दी जाएगी ।

(ख) प्रशिक्षण के दौरान यदि मुख्यालय बदला नहीं जाता है तो कर्मचारी की एलटीसी प्रशिक्षण स्टेशन से होम टाउन तथा वापसी या तो उसी स्टेशन अथवा मुख्यालय तक की गई वास्तविक यात्रा होगी । परिवार के लिए एलटीसी मुख्यालय और होम टाउन के बीच ही होगी ।

2. विदेश में प्रशिक्षण :-

(क) कर्मचारियों के लिए मंडल की देयताएं उसी सीमा तक मान्य होंगी यदि वह मुख्यालय (जहां से वह विदेश प्रशिक्षण पर जाता है) अथवा एस.आर. 59 में घोषित मुख्यालय से होम टाउन तथा वापसी यात्रा की हो ।

- (ख) परिवार के सदस्यों के लिए मुख्यालय, जहां से वह प्रशिक्षण के लिए प्रस्थान कर रहा हो, एलटीसी के प्रयोजनार्थ वहीं यात्रा का शुरुआती बिन्दु माना जाएगा ।

22. निम्नलिखित को नए विनियम -21 के रूप में जोड़ा जाए :-

"21 अध्ययन अवकाश के दौरान छुट्टी यात्रा रियायत :

कर्मचारी को अध्ययन अवकाश के दौरान छुट्टी यात्रा रियायत मान्य है । ऐसे मामलों में दावों को निम्न भांति नियमित किया जाएगा :-

(क) स्वयं के लिए :

कर्मचारी अध्ययन अवकाश स्थान से भारत के किसी स्थान/होम टाउन तक छुट्टी यात्रा रियायत का लाभ ले सकता है बशर्ते इस शर्तों के अधीन कि किराए की प्रतिपूर्ति मुख्यालय स्टेशन से भारत के किसी स्थान/होम टाउन तक या वास्तविक खर्च, जो भी कम हो के बीच यात्रा के लिए अनुमत किराए तक सीमित होगा ।

(ख) परिवार के सदस्यों के लिए :

(i) जब परिवार के सदस्य कर्मचारी के साथ अध्ययन अवकाश स्थान में रह रहे हों :

ऊपर जैसा (क) में दिए अनुसार प्रतिपूर्ति की जाएगी ।

(ii) जब अध्ययन अवकाश के स्थान में न रहते हों :

प्रतिपूर्ति, छुट्टी यात्रा रियायत योजना की सामान्य शर्तों के अधीन की जाएगी ।

23. विद्यमान विनियम- 16 को विनियम -22 से पुनःसंख्यांकित किया जाए ।

24. विद्यमान विनियम -18 को विनियम- 23 से पुनःसंख्यांकित किया जाए और उसके लिए निम्नलिखित शीर्षक जोड़ा जाए :

"एलटीसी लेने के लिए अर्जित अवकाश का नकदीकरण "

25. (i) विद्यमान संशोधित विनियम-21 को विनियम-24 से पुनःसंख्यांकित किया जाए ।

(ii) विनियम -24 में

(क) मुख्य शीर्षक को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए :

"दावों को प्रस्तुत करने का तरीका और समय सीमा" तथा निम्नलिखित उप शीर्षक को उप विनियम (1) जोड़ा जाए :

"यदि अग्रिम न लिया गया हों "

(ख) उप विनियम (II) में निम्नलिखित, उप शीर्षक जोड़ा जाए :

"यदि अग्रिम का पूर्णतया उपयोग न किया गया हो परन्तु समायोजन बिल समय से जमा कर दिया है ।"

(ग) उप विनियम (III) के लिए निम्नलिखित उप शीर्षक जोड़ा जाए :-

"यदि समायोजन बिल समय से जमा नहीं किया गया है ।"

(घ) उप विनियम (III) के अंत में निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाए :-

"जैसे कि प्रोग्राम में परिवर्तन होने, अल्प अवकाश में जाने, होटल सुविधा का अभाव, रेल/होटल

में कर्मचारी के पात्र श्रेणी की अनुपलब्धता तथा अग्रिम की अधिक निकासी कर्मचारी के नियंत्रण के बाहर थी ।

26. विद्यमान विनियम-22 को विनियम-25 से पुनःसंख्यांकित किया जाए ।

27. I) विद्यमान विनियम -23 को विनियम 26(1) से पुनःसंख्यांकित किया जाए ।

II. विनियम -26 में,

(i) निम्नलिखित शब्दों को बताए अनुसार प्रतिस्थापित किया जाए :

(क) "विनियम" और "दावे" के बीच आने वाले शब्द "है" की "से होगा" शब्द से प्रतिस्थापित किया जाए ।

(ख) "वचन दिया" तथा "भी प्रस्तुत" के बीच आने वाले शब्द "वह करेगा" को "उन्हें करना होगा" शब्द से प्रतिस्थापित किया जाए ।

(ii) "टिकट" तथा "आदि" इन शब्दों के बीच में आनेवाले शब्द "नकद प्राप्ति" को हटा दिया जाए तथा उसी प्रकार "अथवा" तथा "पूर्व" इन शब्दों के बीच में आनेवाले शब्द "अथवा रेलवे टिकटों के लिए नकद प्राप्ति" को हटा दिया जाए ।

(iii) उप विनियम (2) के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाए :

"(2) दावे की प्रामाणिकता का निर्धारण :

यदि कर्मचारी के दावे के समर्थन में उसके द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की प्रामाणिकता में नियंत्रण अधिकारी को किसी कारणवश कोई संदेह हो तो वह दावे को साबित करने के लिए आवश्यक ऐसे अन्य साक्ष्यों को प्रस्तुत करने के लिए कर्मचारी को कह सकता है । यदि नियंत्रण अधिकारी दावे की प्रामाणिकता से अब भी संतुष्ट नहीं है तो वह उसे अस्वीकार कर सकता है ।"

(iv) उप विनियम (3) के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाए :-

"(3) कर्मचारी द्वारा प्रमाणन :

यात्रा के दर्जे/परिवहन के माध्यम द्वारा की गई यात्रा के बारे में कर्मचारी को प्रमाणित करना होगा जिसके लिए दावा किया गया है । यदि इस प्रमाणपत्र को किसी विशेष मामले में गलत पाया जाता है तो सम्बन्धित कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी ।

28. मौजूदा विनियम -24 को विनियम -27 के रूप में नई संख्या दी जाए :-

29. (i) मौजूदा विनियम 25 को विनियम- 28 के रूप में पुनःसंख्यांकित करें ।

(ii) विनियम - 28 में,

(क) मौजूदा शीर्षक "पेशगी" को पेशगी की मंजूरी और उसका समायोजन शीर्षक से प्रतिस्थापित किया जाए ।

(ख) खंड (क) को (i) के रूप में पुनःसंख्यांकित करें और "कर्मचारी के यात्रा प्रत्येक मामले में पेशगी" के साथ शुरू हुए खंड के प्रारंभ को निम्नलिखित शब्दों से प्रतिस्थापित करें ।

"(i) रियायत का लाभ लेने के लिए कर्मचारियों को पेशगी मंजूर की जा सकती है । ऐसी पेशगी की राशि"

(ग) उप खंड (क) के अंत में आए "होम टाउन जाने और वापस आने के लिए" शब्दों को निकाल दें ।

(घ) उप - विनियम (ख) को (ii) के रूप में पुनःसंख्यांकित करें और "और दावों का समाधान एक ही बिल शब्दों को निकाल दें और "यदि कर्मचारी और उसके पारिवारिक सदस्य छुट्टी यात्रा रियायत पृथक रूप से अर्थात् भिन्न - भिन्न समय पर लेते हैं," शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्दों को प्रतिस्थापित करें ।

"यदि कर्मचारी का परिवार अलग से यात्रा करता है "

(ड.) उप - विनियम (ग) को (iii) के रूप में पुनःसंख्यांकित करें और

(क) "कर्मचारी या उसके पारिवारिक सदस्य या दोनों" शब्दों को निकाल दें और "यात्रा पर जाने और आने के लिए बाहरी यात्रा पर जाते समय पेशगी ले सकता है, " शब्दों को "बाहरी यात्रा और वापसी यात्रा दोनों के लिए बाहरी यात्रा पर जाते समय पेशगी लिया जा सकता है ।" शब्दों से प्रतिस्थापित करें ।

(ख) "यदि छुट्टी की अवधि या पूर्वानुमानित अनुपस्थिति की अवधि उक्त सीमा से अधिक हो जाती है," शब्दों को "यदि इस सीमा की अवधि अधिक हो जाती है ।" शब्दों से प्रतिस्थापित करें ।

(ग) "यदि यात्रा " से शुरू होनेवाले उप विनियम (ग) के दूसरे भाग को उप - विनियम (iv) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए और "यदि यात्रा संभावना है, " शब्दों को "यदि पेशगी ले लेने के बाद तीन महीनों या नब्बे दिनों की सीमा बढ़ जाती है" शब्दों से प्रतिस्थापित किया जाए ।

(च) उप - विनियम (घ) को हटा दिया जाए ।

(छ)(i) उप - विनियम (ड.) को उप - विनियम (v) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए और वाक्य के अंत में आए "दी जाएगी" शब्दों के स्थान पर "देना चाहिए" शब्द से प्रतिस्थापित किया जाए ।

(ii) पुनःसंख्यांकित उप विनियम (v) में उप खंड के आखिर में निम्नलिखित खंड को जोड़ दिया जाए :

"तथापि, यदि जहां यात्रा की प्रस्तावित तारीख से पहले पैंतीस दिनों के भीतर आरक्षण किया जा सकता है और तदनुसार पेशगी मंजूर की जाती है, तो, कर्मचारी को पेशगी लेने की तारीख से बीस दिनों के भीतर उक्त टिकटों को प्रस्तुत करना होगा, चाहे यात्रा आरंभ करने की तारीख कोई भी हों ।"

(ज) उप विनियम (च), (छ) और (ज) को हटा दिया जाए और निम्नलिखित नए उप-विनियम (vi) से प्रतिस्थापित किया जाए :

"(vi) जहां कर्मचारी द्वारा पेशगी की गई है वहां यात्रा पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति का दावा वापसी यात्रा के एक महीने के भीतर प्रस्तुत करना होगा । ऐसा नहीं करने पर कर्मचारी को तत्काल पेशगी की सम्पूर्ण राशि को एक मुश्त में वापस करना होगा । पेशगी को किश्तों में वसूल करने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।"

30. निम्नलिखित को नए विनियम 29 के रूप में सम्मिलित किया जाए :

"29. छुट्टी यात्रा रियायत का झूठा दावा

(1) यदि अनुशासनिक कार्रवाई आरंभ की जाती है :-

यदि छुट्टी यात्रा रियायत का झूठा दावा करने के आरोप पर कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई आरंभ करने के लिए अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा निर्णय लिया जाता है तो, ऐसे कर्मचारी को उक्त अनुशासनिक कार्रवाई पूरी हो जाने तक छुट्टी यात्रा रियायत की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) यदि दण्ड दिया जाता है :

यदि मुरगांव पत्तन कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) विनियम, 1964 के विनियम 9 में निर्दिष्ट किसी दंडों को दिए जाने के लिए अनुशासनिक कार्रवाई परिणत हो जाती है तो कर्मचारी को अनुशासनिक कार्रवाई के लम्बित समय के दौरान पहले से ही रोके हुए सेटों के अतिरिक्त छुट्टी यात्रा रियायत के अगले दो सेटों को लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लिखित में कारण को रिकार्ड करने के लिए नियंत्रण अधिकारी भी छुट्टी यात्रा रियायत के दो से अधिक सेटों को अस्वीकार करेगा।

(3) यदि पूर्ण रूप में दोष मुक्त किया जाता है :-

यदि कर्मचारी छुट्टी यात्रा रियायत के झूठे दावे के आरोप से पूर्ण रूप में दोष मुक्त हो जाता है, तो उसे गत में रोक कर रखे गए रियायत को अतिरिक्त सेटों के रूप में भविष्य के ब्लाक वर्षों में किन्तु उसकी अधिवार्षिता की सामान्य तारीख से पहले लेने की अनुमति दी जाएगी।

स्पष्टीकरण :-

इस विनियम के प्रयोजन के लिए विनियम (10) के खंड (क) और (ख) में यथा निर्दिष्ट होम टाउन और भारत में किसी भी स्थान पर यात्रा रियायत के लिए छुट्टी यात्रा रियायत दो सेटों में होगी।

31. मौजूदा विनियम -26 को विनियम -30 के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए।

32. नए विनियम -31 के रूप में निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाए :-

"31. व्यावृत्ति :- सभी मौजूदा अनुदेशों, जो इन विनियमों के किसी प्रावधान के प्रतिकूल नहीं हैं और सभी अनुदेश जिनका विशेषकर इन विनियमों में समाविष्ट नहीं किया गया है, इनके संशोधन, सुधार अथवा रद्द नहीं किए जाने तक प्रभावी रहेंगे।

33. नए विनियम- 32 के रूप में निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाए :-

"32. वैयक्तिक मामलों में उपबन्धों और विनियमों में ढील "

जब मण्डल इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि किसी एक विनियम के प्रचालन से किसी एक विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई होती है या हो सकती है तो इन विनियमों में

किसी बात के होते हुए आदेश द्वारा कारणों को लिखित में रिकार्ड करते हुए उस विनियम की जरूरतों को छोड़ सकता है अथवा उस हद तक और न्यायसंगत और उचित तरीके से मामले के निपटारे के लिए, जिसे वह ठीक समझता है, ऐसे अपवादों और शर्तों के अधीन छूट दे सकता है।

बशर्ते कि इस प्रकार का आदेश मात्र केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से किया जाता है।"

34. मौजूदा विनियम -27 को विनियम -33 के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए।

विनियम 33* में "मंडल का निर्णय अंतिम होगा" शब्दों को इस निर्णय हेतु मंडल को संदर्भित किया जाएगा" शब्दों से प्रतिस्थापित किया जाए।

[फा. सं. पी आर-12016/3/2000-पी ई-1]

ए. के. भल्ला, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी

मूल विनियमों को सा.का.नि.स. 959 दिनांक 22.6.64 के भारत के असाधारण राजपत्र भाग II, धारा III उप धारा (i), दिनांक 1/7/64 में प्रकाशित किया है।

अनुवर्ती संशोधन :-

- (i) गोवा, दमन एवं दीव राज्य के सरकारी राजपत्र सीरीज III, सं. 16 दिनांक 19.7.73 में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. 7-पीई(26)/73 दिनांक 30.6.73
- (ii) गोवा, दमन एवं दीव राज्य के सरकारी राजपत्र सीरीज III, सं. 4 दिनांक 25.4.75 में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीईजी(9)/75 दिनांक 2.4.75
- (iii) गोवा, दमन एवं दीव राज्य के सरकारी राजपत्र सीरीज III, सं. 23 दिनांक 4.9.75 में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीईजी(26)/75 दिनांक 18.8.75
- (iv) गोवा, दमन एवं दीव राज्य के सरकारी राजपत्र सीरीज III, सं. 11 दिनांक 14.6.79 में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीईजी(4)/79 दिनांक 19.5.79
- (v) दिनांक 24.12.1986 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीआर - 12016/8/86-पीई - 1 दिनांक 27.2.87
- (vi) सा.का.नि.सं. 180(ई) के अधीन दिनांक 23.3.91 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीआर - 12016/15/91 -पीई। दिनांक 25.3.91
- (vii) सा.का.नि.सं. 387(ई) के अधीन दिनांक 14.7.98 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित केन्द्र सरकार की मंजूरी सं. पीआर - 12016/9/98 -पीई। दिनांक 14.07.98

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th February, 2006

G.S.R. 70(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 124, read with Sub-Section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees (Leave Travel Concession) Amendment Regulations, 2006 made by the Board of Trustees of Mormugao Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

Λ

SCHEDULE

MORMUGAO PORT EMPLOYEES (LEAVE TRAVEL CONCESSION) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2006

In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Section 124(1) & (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38th of 1963), the Board of Trustees of the Port of Mormugao hereby makes the following Regulations further to amend the Mormugao Port Employees (Leave Travel Concession) Regulations, 1964 viz.:

1. (i) These Regulations may be called the Mormugao Port Employees (Leave Travel Concession) (Amendment) Regulations, 2006.

(ii) They shall come into force with effect from the date on which the Central Government's approval to these Regulations has been published in the Gazette of India.

2. (i) In Regulation 2

(a) In the heading, substitute the term **"INTERPRETATION"** with the term: **"DEFINITIONS"**.

(b) Renumber the serial nos of the definitions 1), 2), 3), etc as (a), (b), (c), etc.

(c) In renumbered sub-clause (5), substitute the words "will have the same meaning assigned to them in the Fundamental Rules and Supplementary Rules of the Central Government" with the following:

"Class I, Class II, Class III and Class IV employees respectively" as classified under the Mormugao Port Employees' (Classification, Control & Appeal Regulations, 1964".

(d) Add the following additional definitions as sub-clauses (f), (g) and (h):

"(f) 'a place in India' will cover any place within the territory of India, whether it is on the mainland India or overseas.

CLARIFICATION:

If there are any local restrictions on visits to places in border areas, it is the responsibility of the employee undertaking the visit to fulfil the conditions for visit to the places, which are subject to local restrictions.

(g) 'Controlling Officer' means the Chairman and Deputy Chairman in case of Class I & II Officers and Heads of Departments in case of Class III & IV employees.

(h) 'Disciplinary Authority' shall have the same meaning as assigned in Regulation 2(d) of the Mormugao Port Employees' (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1964."

*(ii)(a) Renumber the existing Regulation 6 as sub-clause (i) of Regulation 2 and with the exception of the last clause viz: "Where both the husband and the wife.... and not both", delete the remaining clauses of the definition of the term **FAMILY**, and substitute as under:-*

"DEFINITION OF THE TERM FAMILY:

'Family' means:

- (i) The employee's wife or husband, as the case may be, and two surviving unmarried children or step-children wholly dependent on the employee, irrespective of whether they are residing with the employee or not.
- (i) Married daughters, who have been divorced, abandoned or separated from their husbands and are residing with the employee and are wholly dependent on the employee.
- iii) Parents and/or step-mother, wholly dependent on the employee, irrespective of whether they are residing with the employee or not.
- (iv) Unmarried minor brothers as well as unmarried, divorced, abandoned, separated from their husbands or widowed sisters, wholly dependent on the employee, irrespective of whether they are residing with the employee or not; provided their parents are either not alive or are themselves wholly dependent on the employee.

EXPLANATIONS:

- (1). The restriction of the concession to only two surviving children or step-children shall not be applicable in respect of:
- (i) those employees, who already have more than two children prior to the coming into force of this restriction i.e. 20-10-1997;
 - (ii) children born within one year of the coming into force of this restriction;
 - (iii) where the number of children exceeds two as a result of second child birth resulting in multiple births;
- (2). Not more than one wife is included in the term 'Family' for the purpose of these Regulations.
- (3). Though it is not necessary for the spouse and children to reside with the employee so as to be eligible for the Leave Travel Concession, the concession in their cases shall, however, be restricted to the actual distance travelled or the distance between the headquarters/place of posting of the employee and the hometown/place of visit, whichever is less:
- (4). Children of divorced, abandoned, separated from their husbands or widowed sisters are not included in the term "Family".
- (5). A member of the family, whose income from all sources, including pension, temporary increase in pension but excluding dearness relief on pension or stipend etc. does not exceed Rs. 1,500/- p.m. is deemed to be wholly dependent on the employee"

(b) In Regulation 6, number the last clause of the definition of the term 'Family' as

EXPLANATION 6 below Regulation 2 as follows:

"(6). Where both the husband and wife are employees, the concession shall be admissible to the family on the scales admissible to the husband or the wife and not both."

*(c) Insert the following **NOTE** below EXPLANATION 6 of Regulation 2:*

NOTE: The term 'children' includes children taken as wards by the employee

under the Guardians and Wards Act, 1890, provided such a ward is treated as a member of the family and provided the employee, through a special will, has given such a ward the same status as that of a natural born child."

(iii). *Insert the following definitions as new sub-clauses (j) and (k):*

j) "Home Town" means the town, village or any other place declared as such by the employee and accepted by the Controlling Officer.

k) "Shortest direct route" shall have the same meaning as given in Supplementary Rule 30 and orders issued thereunder from time to time i.e. as recognised for travel on duty"

3. *Substitute the existing Regulation 3 with the following:*

"3. EXTENT OF APPLICATION:

(1) Applicability:

Subject to the provisions of sub-regulation (2), these regulations shall apply to all persons-

(a) who are employees of the Board.

(b) industrial and work-charged staff, who are entitled to regular leave.

(c) who are appointed on contract basis.

(d) who are re-employed after their retirement.

(e) an escort, who accompanies a single handicapped employee, subject to the conditions prescribed in sub-regulation(4) of Regulation 4.

(2) Non-applicability:

These regulations shall not apply to:

(a) employees not in whole-time employment of the Board.

(b) persons in casual and daily- rated employment .

(c) persons paid from contingencies.

(d) persons eligible to any other form of travel concession during leave or otherwise.

(e) spouses of employees, who are employed in Indian Railways and National Air-lines, who are entitled for " Free Pass" facility for travel anywhere in India.

(f) An employee under **suspension**; however his family can avail the concession "

4. (i) *Renumber the existing Regulation 19 as Regulation 4 and substitute as follows:*

"4. SPECIAL PROVISIONS REGARDING CERTAIN CATEGORIES OF EMPLOYEES:

(1) Eligibility:

In the case of persons belonging to categories mentioned in Clauses (b) and (c) of sub-regulation (1) of Regulation 3, the leave travel concession shall be admissible on completion of one year's continuous service under the Board and provided that it is certified by the appropriate administrative authority that the employee concerned is likely to continue to serve under the Board for a period of at least two years in the case of Leave Travel Concession to home town and at least four years in the case of leave concession to any place in India to be reckoned from the date of his joining the post under the Board.

(2) Contract employees:

In the case of employees appointed on contract basis, where the initial contract is for one year but is later extended, the total duration of the contract will be taken into account for the purpose of leave travel concession."

(ii) *Renumber the existing Regulation 20 as sub-regulation (3) of the renumbered Regulation 4 and substitute with the following:*

"(3) Retired employees re-employed:

In the case of persons re-employed, immediately after retirement without any break, the period of re-employed service will be treated as continuous with the previous service for the purpose of leave travel concession and the concession allowed for the re-employed period, provided that the leave travel concession

would have been admissible to the re-employed employee, had he not retired but had continued as serving employee.

Illustration. If an employee has availed of the concession to visit any place in India in respect of a block of four years before his retirement and he is re-employed without any break, he cannot avail this concession till the expiry of the particular block of four years.”

(iii) Insert the following as a new sub-regulation (4) of the renumbered Regulation 4:

“(4) Escort for handicapped employee:

LTC facility could be allowed for an escort, who accompanies a handicapped employee on the journey, subject to the following conditions:

- (a) Prior approval of the Head of the Department concerned is obtained on each occasion.
- (b) The nature of physical disability of the employee is such as to necessitate an escort for the journey. In case of doubts, the decision of the Head of the Department will be final.
- (c) The physically handicapped employee does not have an adult member of the family.
- (d) The employee and the escort avail of the concession if any, in the rail/bus fare as might be extended by Railway /State Roadways authorities in such cases.
- (e) Any other person, who is entitled to LTC, does not accompany the handicapped employee on the journey.”

5. Insert the following as a new Regulation 5:

“SCOPE: The leave travel concession will cover the employee himself and his family.”

6. (i) Renumber the existing Regulation 9 as Regulation 6.

(ii) In Regulation 6,

(a) Insert a sub-title “Time-limit” for sub-regulation (1).

(b) Insert the following sentence at the end of sub-regulation 1:

"Such declaration is to be made to the authority, who had been declared to be the Controlling Officer in respect of employees for T.A claims before the expiry of six months from the date of entry into service. No particular form of declaration has been prescribed. However, an officer, who is his own Controlling Officer for purposes of travelling allowance, should make the initial or any subsequent declaration of his hometown to his next superior administrative authority for acceptance.

The declaration shall be kept in the service book."

(c) *Substitute sub-regulation (2) with the following:*

"(2) **Check of home town declaration:**

It is not necessary to have an elaborate check on the declaration of home town by an employee. The declaration made by the employee initially may be accepted and a detailed check may be applied only when he seeks a change."

(d) *Delete sub-regulation (3)*

(e) *Renumber sub-regulation (4) as sub-regulation (3), insert a sub-title "**Home town declaration after expiry of time limit**" as also the words "as prescribed in Regulation 7" between the words "of home town" and "and no further"*

(f) *Renumber sub-regulation (5) as sub-regulation (4) and insert a sub-title "**Register of home towns**" for it.*

7. (i) *Renumber the existing Regulation 8 as Regulation 7 and substitute the heading 'HOME TOWN' with "**CHANGE OF HOME TOWN.**"*

(ii) *In Regulation 7,*

(a) *Substitute the first sentence beginning with the words "Home Town means the permanent home town ...for service in the Board" with the following sentences:*

"The home town once declared and accepted by the Controlling Officer shall be treated as final. In exceptional circumstances the Chairman or Deputy Chairman may authorise a change in such declaration, provided that such a change shall not be made more than once during the service of an employee.

In the case of persons on deputation to the Board, such requests shall be effected only with the approval of the *lending authority*."

(b) Insert the word "**NOTE**": - before the words "The criteria..."

8. (i) Insert the following as a new Regulation 8(1):

**8. DECLARATION OF PLACE OF VISIT UNDER LEAVE
TRAVEL CONCESSION TO ANY PLACE IN INDIA.**

(1) Intended place of visit to be declared in advance:

When the concession to visit any place in India is proposed to be availed of by an employee or any member of the family of such an employee, the intended place of visit shall be declared by the employee in advance to his Controlling Officer. The declared place of visit may be changed before the commencement of the journey with the approval of his Controlling Officer but it may not be changed after the commencement of the journey, except in exceptional circumstances where it is established that the request for change could not be made before the commencement of the journey owing to circumstances beyond the control of the employee, provided it is further established that such intermediary station falls en route to the station declared in advance. This relaxation may be made by Chairman or Dy. Chairman in the case of Class I & II Officers or the Head of Department in the case of Class III & IV employees."

(ii) Insert the following as a new sub-regulation (2):

"(2) Place to be visited by employee and members of his family under travel concession to any place in India.

An employee and each member of his family may visit different places of their choice during a block of four years. It shall not be necessary for members of family of an employee to visit the same place as that visited by the employee himself at any time during the same block."

9. (i) Renumber Regulation 17 as Regulation 9, change its caption to "**ADMISSIBILITY OF LEAVE TRAVEL CONCESSION DURING LEAVE**"

(ii) In Regulation 9,

(a) Insert the following as sub-regulation (1) alongwith **NOTE** thereunder.

"(1) The leave travel concession shall be admissible to persons of the categories specified in clauses (a), (b) and (c) of Regulation 3 only if they have completed one year's continuous service under the Board on the date of journey performed by him or his family, as the case may be, to avail of the concession.

NOTE: - A period of unauthorised absence due to participation in strike, etc shall be deemed to cause break in service, unless condoned by the appointing authority, while calculating the minimum period of continuous service."

b) Renumber sub-regulation (1) as sub-regulation (2) and substitute with the following:

"(2) The leave travel concession shall be admissible during any period of leave, viz. Earned Leave, Half Pay Leave, Commuted Leave, Extraordinary Leave, Maternity Leave, Study Leave including Casual Leave and Special Casual Leave, irrespective of their duration.

CLARIFICATION: - When an employee undertakes a journey during the weekend holidays without any leave, he is not entitled to Leave Travel Concession."

(c) Insert the following as a new sub-regulation (3):

"(3) It can also be availed during Leave Preparatory to retirement, provided the return journey is completed before the expiry of the leave."

(iii) In Regulation 17,

(a) Renumber the last two sentences of sub-regulation (1) as sub-regulation (4).

(b) Renumber sub-regulation (2) as sub-regulation (5)

(c) Renumber sub-regulation (3) as sub-regulation (6)

10. (i) *Substitute the heading “**FREQUENCY OF ENTITLEMENT**” with “**TYPES AND FREQUENCY OF LEAVE TRAVEL CONCESSION**” and renumber the existing Regulation 4 as Regulation 10.*

(ii) Renumber sub-regulations (1), (2), (3) and (4) as (a), (b), (c) and (d) respectively and substitute with the following:

“(a) Frequency:

The leave travel concession to home town shall be admissible, irrespective of the distance between the headquarters of the employee and his home town, once in a block of two calendar years, such as 1986-87, 1988-89 and so on;

(b) Exchange of LTC to home town with LTC to ‘any place in India’:

The leave travel concession to any place in India shall be admissible, irrespective of the distance of the place of visit from the headquarters of the employee once in a block of four calendar years, such as 1986-89, 1990-93 and so on;

Provided that in the case of an employee to whom leave travel concession to home town is admissible, the leave travel concession to any place in India availed of by him shall be in lieu of, and adjusted against, the leave travel concession to home town available to him at the time of commencement of the journey.

(c) If family at home town:

An employee, whose family lives away from him at his home town may, in lieu of all concessions under this scheme, including the leave travel concession to visit any place in India once in a block of four years which would otherwise be admissible to him and members of his family, choose to avail of leave travel concession for self only to visit the home town every year.

(d) If employee unmarried:

Unmarried employees, who have left their wholly dependent parents, sisters and minor brothers at their home town, may also be given the benefit of LTC to visit their home town every year. This concession will be in lieu of all other

LTC facilities admissible to the employee himself and his/her parents, sisters and minor brothers.”

11. (i) *Renumber the existing sub-regulation (4) of Regulation 4 as sub-regulation (1) of Regulation 11 and insert the title “**CARRY OVER OF LEAVE TRAVEL CONCESSION**”.*

(ii) *Insert the following clause after **ILLUSTRATION 1** below Regulation 11:*

“ If an employee is entitled to leave travel concession to home town, he can carry forward the leave travel concession to any place in India for a block of four years only if he has carried forward the leave travel concession to home town in respect of the second block of two years within the block of four years.”

(iii) *Substitute the existing **ILLUSTRATION-2** below Regulation 11 with the following illustration:*

“**ILLUSTRATION-2:** During the block years 1998-2001, an employee can avail two concessions i.e. one for 1998-99 block and second for 2000-2001 block.

Of the above two concessions, he can avail-

- (i) both of them to home-town, or
- (ii) First block to anywhere in India and the second block to home town, or
- (iii) First block to home town and second to anywhere in India.

The concession to travel to anywhere in India can be carried forward to 2002 in the employee's case only---

- (i) If he has not availed it against the concession for the block year 1998-99, and
- (ii) If he has not availed the concession to home town for the block 2000-2001.

If the employee has failed to avail the concession due for the block 1998-99 (before the expiry of the grace period) he is losing that concession and cannot carry it forward to 2002.”

12. Insert the following as sub-regulation (1) of a new Regulation 12:

"12. FAMILY:

(1) Both husband and wife are employees of the Board:

Where husband and wife are the employees of the Board, they could, at their option, choose to declare separate home-town and both of them may claim the concession separately under the normal provisions of the M. P. F. (Leave Travel Concession) Regulations, 1964) in respect of the members of their respective families, subject to the condition that if husband or wife avails the facility as a member of the family of the other, he or she will not be entitled for claiming the concession for self independently. Similarly, the children shall be eligible for the benefit in one particular block as members of the family of one of the parents only."

13. (1) Renumber the existing Regulation 7 as sub-regulation (2) of Regulation 12.

(ii) In Regulation 12,

(a) Insert the following as a new sub-regulation (3):

"(3) Counting of Leave Travel Concession against particular block:

An employee and members of his family availing of leave travel concession may travel in different groups at different times during a block of two or four years as the case may be. The concession so availed will be counted against the block of two years or four years, within which the outward journey commenced, even if the return journey was performed after the expiry of the block of two years or four years. This will apply to availing of leave travel concession carried forward in terms of renumbered Regulation 11(1)."

(b) Insert the following as a new sub-regulation (4):

"(4) Some members of family can avail concession to home town while some others for visiting "anywhere in India" in the same two-year block.

Since the LTC facility can be availed by the employee and various members of his family in separate batches, there may not be any objection in allowing

hometown LTC and the LTC to any place in India to different members of the family in respect of the same block of years, provided such concession is otherwise admissible. Proper account, however, may be maintained in respect of each member so that there is no confusion about the admissibility of LTC for the subsequent blocks."

c) Insert the following as a new sub-regulation (5):

"(5) Presentation of separate claims by employee and his family:

When an employee and his family perform journeys separately, there is no objection to his presenting separate claims. In each case, however, the claim should be for both outward and inward journeys."

14. (i)(a) Renumber Regulation 5 as Regulation 13.

(b) Insert the following heading to the main regulation:

"LIMIT OF BOARD'S ASSISTANCE"

(ii) In Regulation 13,

(a) Insert the following sub-title for sub-regulation (1):

"Journey need not commence from or end at headquarters"

(b) Insert the following sub-title for sub-regulation (2):

"Travel in any class"

(c) Insert the following as a new sub-regulation (3):

"3) Journey from a station other than the duty station:

Where the employee and his family live away from the place of duty for any reason, Leave Travel Concession may be allowed from the place of residence to the place of visit/home town and back to the place of residence, subject to the condition that the claim is restricted to the rail fare by the shortest direct route between the duty station and the home town or declared place of visit, as the case may be. In such cases, the employee should furnish reasons for residing at a place other than the place of duty and the Controlling Officer should also satisfy himself regarding the genuineness of those reasons before admitting the claim with reference to the place of residence."

(d) *Insert the following as a new sub-regulation (4):*

“(4) When spouse and dependent children left at a place, other than headquarters:

Where the employee has left his/her spouse and the dependent children at a place, other than his headquarters, he/she may be allowed Leave Travel Concession in respect of them from the place of their residence to home town in a block of 2 years or any place in India in a block of 4 years, as the case may be, but the reimbursement should, in no case, exceed the actual distance travelled by the family or the distance between the headquarters/ place of posting of the employee and the place visited/home town, whichever is less. In the case of other members falling within the definition of 'Family', the existing conditions and restrictions will continue to be in force.”

15. (i) *Renumber the existing Regulation 10 as Regulation 14.*

(ii) In Regulation 14,

(a) Insert the following as a new sub-regulation (1) and renumber the existing sub-regulations (1) to (10) as (2) to (11):

“(1) The entitlement for Travel by rail during LTC will be as follows:

(a) Class III & IV employees:

Travel by normal trains:

Pay Range

Entitlement

Below Rs. 5000/-

Second Sleeper

Rs. 5000/ & above
but below Rs. 9000/-

1st Class/AC 3 tier Sleeper/
AC Chair Car *

Rs. 9000/- & above
but below Rs. 12000/-

Ind AC 2 tier
Sleeper/1st Class/AC 3 tier

(*) Where none of the classes of accommodation is provided in any train connecting concerned stations by the direct shortest route, the employees may travel by AC two tier.

Travel by Rajdhani Express Trains:

Pay Range

Entitlement

Below Rs. 5000/-

Rs. 5000/- & above but below Rs.9000/-	AC Chair Car
Rs. 9000/- & above but below Rs. 12000/-	IInd AC 2 tier Sleeper

Travel by Shatabdi Express Trains:

<u>Pay Range</u>	<u>Entitlement</u>
Below Rs. 5000/-	
Rs. 5000/- & above but below Rs. 9000/-	AC Chair Car
Rs. 9000/- & above but below Rs. 12000/-	AC Chair Car

Note: Claim for travel by Rajdhani/Shatabdi trains will be allowed only where journey is actually undertaken by these trains. Both ends of the journey should be directly connected by Rajdhani/Shatabdi trains.

(b) Dy. Chairman and Class I & II Officers

<u>Basic Pay + Non – Practising Allowance</u>	<u>Normal trains</u>
Rs. 11000 & above	AC 1 st Class
Rs. 8600 to Rs. 10,999	2 nd AC 2 Tier Sleeper/1 st Class

Travel by Rajdhani Express Trains:

<u>Basic Pay + Non – Practising Allowance</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 11000 & above	AC 1 st Class
Rs. 8600 to Rs. 10999	2 nd AC Sleeper

Travel by Shatabdi Express Trains:

<u>Basic Pay + Non – Practising Allowance</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 11000 & above	AC Chair Car
Rs. 8600 to Rs. 10999	AC Chair Car

Note: Claim for travel by Rajdhani/Shatabdi trains will be allowed only where journey is actually undertaken by these trains. Both ends of the journey should be directly connected by Shatabdi/Rajdhani Trains.

When a journey is performed by a longer route by rail, partly by lower class and partly by the entitled class, the claim is to be regulated on proportionate

42262/66-10

basis by calculating mileage allowance for different modes/classes by the shortest route in the ratio of distance covered by such modes by longer routes actually used.

(b) *Insert the following sub-title for sub-regulation (1):*

“Class of rail accommodation decided by status on date of journey and higher or lower class in same journey”

(c) *Add the following clause at the end of sub-regulation (1) renumbered as (3):*

“ In case there is no provision in a train for the accommodation of entitled class and an employee performs journey on LTC in a higher class his claimed has to be restricted to the entitled class.”

(d) *Insert the following sub-title for sub-regulation (2) renumbered as (3):*

“Concessional return rail journey tickets” and insert the words “ by the shortest direct route by the class of accommodation for which the circular tour ticket was actually purchased or by the entitled class” *between the words* “ in India” and “whichever is less”.

(e) *Insert the following sub-title for sub-regulation (3) renumbered as (4):*

“Rail travel by lower class”

(f) *Insert the following sub-title for sub-regulation (4) renumbered as (5):*

“Rail sleeper accommodation”

(g) *Insert the following sub-title for sub-regulation (5) renumbered as (6):*

“Rail travel by mail/ express trains”

(h) *Insert the following sub-title for sub-regulation (6) renumbered as (7):*

“Rail journey by longer route in two stages in two different classes”

(i) *Insert the following as an example below sub-regulation (6) renumbered as (7):*

“Example: If the total distance travelled by the longer route is 1,100 Kms and that by the shortest route is 1000 Kms and if the employee concerned has travelled the initial 800 Kms. by II Class and the remaining 300 Kms. by I Class, the Board's share of reimbursement of the expenditure incurred in this case should be as follows:

(i) Mileage for which II Class fare is admissible.

<u>Distance actually travelled by II Class</u>	X	Total distance by the
<u>Total distance by the longer route.</u>		Shortest route.

$$= \frac{800}{1100} \times 1000 = 727 \text{ Kms. (rounded)}$$

(ii) Mileage for which I Class fare will be admissible-

<u>Distance actually travelled by I Class</u>	X	Total distance by the shortest
<u>Total distance by the longer route.</u>		route

$$= \frac{300}{1100} \times 1000 = 273 \text{ Kms. (rounded)}$$

(j) *Insert a new sub-regulation (8) as follows:***“8) When journey performed by a longer route in different modes of transport:**

In cases where an employee performs a journey by a longer route in different modes of transport, the reimbursement may be made proportionately in respect of the journey performed by the railways and he may be allowed the reimbursement for the remaining shortest distance, as per his entitlement by the Railways **OR** the actual fare paid by the individual for the journeys by road, whichever is less. While settling, the claim has to be worked out on proportional basis for each/ actual mode of journey/ distance covered with reference to distance by the shortest route.”

(k) *Renumber sub-regulation (7) as sub-regulation (9) and insert the following sub-title for it:***“ Journeys by other means between places connected by rail”**(l) *Renumber sub-regulation (8) as sub-regulation (10) and insert the following sub-title for it:*

"Special supplementary charges for travel by superfast trains"

(m) Add the following clauses at the end of the sub-regulation (10):

"The extra cost incurred for the Reservation charges is also reimbursable. However, reimbursement of telegram charges paid to the Railway Authorities for reservation of berth on train is not reimbursable.

In cases where the journey for which Leave Travel Concession claim is preferred is performed otherwise than by rail between places connected by rail and the claim is restricted to the amount which would have been admissible had the journey been performed by rail, the amount to be reimbursed shall not include the Special Supplementary Charges."

(n) Insert the following as a new sub-regulation (11):

"(9). **Journey by hired/chartered rail coach:** Journey by a chartered rail coach is not admissible unless the chartered tour is wholly operated and conducted by a Central or State Undertaking."

(p) Insert the following as new Sub-Regulation (12)

(12) Travel by air:

Only the Chairman of the Port Trust shall be eligible to travel by air by National Carriers or AC 1st Class, at his option. Journey by private airlines shall not be permitted."

16. (i) *Renumber the existing Regulation 11 as Regulation 15:*

(ii) In Regulation 15,

(a) Substitute sub-regulations (1) with the following:

"15(1) **Journey by road:** For journeys, between places not connected by rail, the entitlement for travel by all categories of employees, including Class I & II Officers, will be as follows:

Categories	Entitlement
<u>Class I, II, III & IV Employees</u>	
(a) Those who are entitled to travel by 1 st Class & above on rail.	By any type of bus
(b) Others	By ordinary or Express bus.

NOTE: The privileges with regard to class of travel currently being enjoyed by any employee/officer before the implementation of the above amendments arising due to wage revision will not be affected as a result of these amendments".

(2) (a) **By Air between places not connected by rail:** The employee may travel by air between places not commenced by rail, where an alternative means of travel is either not available or is more expensive.

(b) **By air between places connected by rail:** Where an employee performs journeys on LTC by air between places connected by rail, the reimbursement of fare may be restricted to the fare of the entitled class by rail other than RAJDHANI/SHATABDI EXPRESS. These provisions are however, not applicable in respect of journeys undertaken by private airlines.

NOTE: Temporary dislocation of surface transport system cannot be taken as 'non availability' of alternative means' for the purpose of allowing air fare under this sub-regulation. The reimbursement in such cases will be restricted to the entitled class of road journey.

(b) *Insert the following new sub-regulation (3):*

"(3) In regard to places in territory of India connected by shipping services, the entitlement of an employee to travel by ship will be regulated as in the case of journeys by ship undertaken on transfer."

© *Insert the following new sub-regulation (4):*

"(4) **Travel between places not connected by any other means of transport.** For travel between places not connected by any other means of

transport, an employee can avail of animal transport like pony, elephant, camel, etc. In such cases, mileage allowance will be admissible at the same rate as for journeys on transfer.”

(d) Delete the existing sub-regulation (3)

17. Renumber the existing Regulation 12 as Regulation 16 and substitute with the following:

“16. Reimbursement under the leave travel concession scheme shall not cover incidental expenses and expenditure incurred on local journeys. Reimbursement for expenses of journey shall be allowed on the basis of a point to point journey on a through ticket over the shortest route.”

18. (i) Renumber the existing Regulation 13 as Regulation 17

(ii) In Regulation 17,

(a) Add the following clause at the end of the Regulation:

“Where the shortest route by which the journey is required to be performed is disrupted due to accidents or other causes, the power to grant reimbursement by the actual route travelled may be exercised by the Controlling Officer in consultation with the Accounts Department.”

(b) Delete the Explanation below the Regulation.

19. (I) Renumber the existing Regulation 14 as Regulation 18.

(ii) In Regulation 18,

(a) Add the following at the end of the Regulation:

“The following type of cases are given by way of illustration:”

(b) Insert the following clause at the end of sub-regulation (I) of Illustration-II:

“When a female employee proceeds to home-town availing of the LTC and gets married in the home-town, LTC may be allowed also to the husband of the female employee for the journey performed by him from the home-town to the headquarters of the female employee.”

(c) In sub-regulation (iii) of Illustration-II, substitute the word “three” occurring twice with the words “five/twelve”

20.(I) *Renumber the existing Regulation 15 as Regulation 19.*

(ii) *In Regulation 19,*

(a) *Insert the following sub-title for sub-regulation (1):*

"Leave travel concession in combination with transfer journey."

(b) *In sub regulation (2), at the beginning of the clause, substitute the word " a case" with "cases" and insert the word " other" between the words " subject to the" and "conditions"*

(c) *Renumber sub-regulation (3) as 3(a) and insert the following sub-title for it:*

"Leave travel concession in combination with tour journey"

(d) *Renumber sub- regulation (4) as sub-regulation 3(b)*

21. *Insert the following as a new Regulation 20:*

"20. OFFICERS DEPUTED FOR TRAINING:

When an Officer is deputed for training in India or abroad, the concession will be admissible as follows:

1(a) Training in India

If the headquarters are changed during the period of training, LTC for the employee and his family will be between the station of training and the home-town.

(b) If the headquarters are not changed during the period of training, LTC for the employee will be from the station of training to home-town and back either to the same station or to the headquarters for the journeys actually performed. For the family, LTC will be between headquarters and home-town only.

2) Training abroad:

(a) For employee, the Board's liability will be limited to what is admissible if he had undertaken the journeys from the headquarters (from which he proceeded for training abroad) or the headquarters declared under S.R. 59 to the home-town and back.

(b) For members of the family, the headquarters from which he proceeded on training will be treated as the starting point for the onward journey for the purpose of L.T.C."

22. *Insert the following as a new Regulation 21:*

“21. LEAVE TRAVEL CONCESSION WHILE ON STUDY LEAVE:

Leave Travel concession is admissible to employees while on Study Leave. In such cases, the claims are to be regulated as under:

(a) For self:

Employee can avail Leave Travel Concession from the place of Study Leave to any place in India/home-town, subject to the condition that the reimbursement of fare should be restricted to the fare admissible for travel between his headquarters station to any place in India/home-town or actual expenditure, whichever is less.

(b) For the members of the family:

(i) When the members of the family are staying with the employee at the place of Study Leave.:

The reimbursement will be as indicated at (a) above.

ii) When not staying at the place of Study Leave.:

The reimbursement will be as under the normal terms and conditions of the Leave Travel concession Scheme.”

23. *Renumber the existing Regulation 16 as Regulation 22.*

24. *Renumber the existing Regulation 18 as Regulation 23 and insert the following heading for it:*

‘ENCASHMENT OF EL FOR AVAILING LTC.’

25. (i) *Renumber the existing amended Regulation 21 as Regulation 24 .*

(ii) In Regulation 24:

(a) Substitute the main heading with the following:

‘MODE OF AND TIME LIMIT FOR PREFERRING CLAIMS’ and

also the following sub-title for sub-regulation (1):

“If no advance drawn ”

(b) Insert the following sub-title for sub-regulation (ii):

"If advance not utilised fully but adjustment bill submitted in time"

(c) *Insert the following sub-title for sub-regulation (iii):*

"If adjustment bill not submitted in time"

(d) *Add the following clause at the end of sub-regulation (iii):*

"such as change in program, proceeding on short leave, lack of hotel facility, non-availability of class of rail/hotel accommodation to which the employee is entitled and the excess drawal of advance was beyond the control of the employee

26. *Renumber the existing Regulation 22 as Regulation 25.*

27. I. *Renumber the existing Regulation 23 as Regulation 26(1)*

II. In Regulation 26,

(i) *Substitute the following words as indicated:*

(a) *The word "is" occurring between the words "regulations" and "claimed" with the words "will be".*

(b) *The words "He shall" occurring between the words "undertaken" and "also produce" with the words "They should".*

(ii) *Delete the words "Cash receipts" occurring between the words "tickets" and "etc" as also the words "or cash receipts for railway tickets" occurring between the word "or" and "prior".*

(iii) *Insert the following as sub-regulation (2):*

"(2) Determination of genuineness of claim:

If the Controlling Officer has any reason to doubt the genuineness of the evidence produced by the employee in support of his claim, he can ask the employee to produce such other evidence as may be considered necessary to substantiate his claim. If the Controlling Officer is still not satisfied about the genuineness of the claim, it is open to him to reject it."

(iv) *Insert the following as sub-regulation (3):*

"(3) Certification by employee:

The employee has to certify about the journey having been performed by the

class of accommodation/mode of conveyance for which the claim has been preferred. If this certificate is found to be false in any particular case, the employee concerned can be proceeded against."

28. *Renumber the existing Regulation 21 as Regulation 27.*

29. (i). *Renumber the existing Regulation 25 as Regulation 28.*

(ii). *In Regulation 28,*

(a) *Substitute the existing heading of ' **ADVANCE**' with ' **GRANT OF ADVANCE AND ADJUSTMENT THEREOF**'*

(b) *Renumber Clause (a) as (1) and substitute the beginning of the clause starting with "To enable ... the amount" with the following words:*
 "(1) Advance may be granted to employees to enable them to avail themselves of the concession. The amount of such advance"

© *Delete the words "to the home-town and back" at the end of sub-clause (a).*

(d) *Renumber sub-regulation (b) as (ii) and delete the words "and adjustment of claims ... single bill" and substitute the words "where the employee and members of his family avail themselves of the leave travel concession separately i.e. at different times" with the following:*

"If the family travels separately from the employee"

(e) *Renumber sub regulation © as (iii) and*

(A) *Delete the words: "of the employee or the members of his family or both" and substitute the word "forward" for the word "outward" occurring twice between the words "both the" and "and return" and between the words "commencement of the" and "journey, provided".*

(B) *Substitute the words "where the period of leave or the period of anticipated absence exceeds the said limit" with the words "If this limit is exceeded".*

© *The second Half time energizer - of sub-regulation © beginning with the words "where an advance has been drawn..." may be renumbered as (iv) and substitute the words beginning with "where an advance ... said limit" with the following:*

“ If the limit of three months or ninety days is exceeded after the advance had already been drawn.”

(f) *Delete sub-regulation (d)*

(g)(i) *Renumber sub-regulation (e) as sub-regulation (v) and substitute the words “ will have to “ occurring between the words “ advance” and “ refunded” with the words “ should be”*

(ii) *In re-numbered sub-regulation (v), add the following clause at the end of the sub-clause:*

“However, in cases where reservations can be made within thirty five days before the proposed date of the outward journey and advance is granted accordingly, the employee should produce the tickets within twenty days of the drawal of the advance, irrespective of the date of commencement of the journey.”

(h) *Delete sub-regulations (f), (g) and (b) and substitute with following new sub-regulation (vi):*

“(vi) Where an advance has been drawn by the employee, the claim for reimbursement of the expenditure incurred on the journey shall be submitted within one month of the completion of the return journey. On an employee's failure to do so, he shall be required to refund the entire amount of advance forthwith in one lumpsum. No request for recovery of the advance in installments shall be entertained”

30. *Insert the following as a new Regulation 29:*

“29. FRAUDULENT CLAIM OF LEAVE TRAVEL CONCESSION.

(1) If disciplinary proceedings initiated:

If a decision is taken by the Disciplinary Authority to initiate disciplinary proceedings against an employee on the charge of preferring a fraudulent claim of leave travel concession, such employee shall not be allowed the leave travel concession till the finalization of such disciplinary proceedings.

(2) If penalty imposed:

If the disciplinary proceedings result in imposition of any of the penalties specified in Regulation 9 of the Mormugao Port Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1964, the employee shall not be allowed the next two sets of the leave travel concession in addition to the sets already withheld during the pendency of the disciplinary proceedings. For reasons to be recorded in writing, the Controlling Officer can also disallow more than two sets of leave travel concession.

(3) If fully exonerated:

If the employee is fully exonerated of the charge of fraudulent claim of leave travel concession, he shall be allowed to avail of the concession withheld earlier as additional set(s) in future block years but before the normal date of his superannuation.

EXPLANATION: For the purpose of this Regulation, leave travel concession to home town and leave travel concession to any place in India as specified in Clause (a) and (b) of Regulation (10) shall constitute two sets of the leave travel concession."

31. Renumber the existing Regulation 26 as Regulation 30.

32. Insert the following as a new Regulation 31:

"31. SAVING: All the existing instructions, which are not contrary to any of the provisions of these Regulations and all instructions, which cover matters not specifically covered by these Regulations, shall continue to be in force until they are amended, modified or cancelled."

33. Insert the following as a new Regulation 32:

**"32. RELAXATION OF THE PROVISIONS AND REGULATIONS
IN INDIVIDUAL CASES:**

When the Board is satisfied that the operation of any one of these Regulations causes or is likely to cause undue hardship in any particular case, it may by

order, notwithstanding anything contained in these Regulations, for reasons to be recorded in writing dispense with or relax the requirements of that regulation to such extent and subject to such exceptions and conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

Provided that no such order shall be made except with the approval of the Central Government."

34. Renumber the existing Regulation 27 as Regulation 33.

In Regulation 33, substitute the words "the decision of the Board shall be final" with the words "the same shall be referred to the Board for decision".

[F. No.PR-12016/3/2000-PE-1]

A. K. BHALLA, Jt. Secy.

FOOT-NOTE:

Principal Regulations GSR No.959 dated 22-6-64 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section III, Sub-Section (i) dated 1-7-64.

Subsequent Amendments:

(i) Central Government's sanction no.7-PH(26)/73 dated 30-6-73, published in the Official Gazette of Government of Goa, Daman & Diu Series III, No.16 dated 19-7-73.

(ii) Central Government's sanction no. PEG(9)75 dated 2-4-75 published in the Official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No.4 dated 25-4-75.

(iii) Central Government's sanction no. PEG(26)/75 dated 18-8-75, published in the Official Gazette of Goa, Daman & Diu, Series III, No.23 dated 4-9-1975.

(iv) Central Government's sanction no. PEG(4)/79 dated 19-5-79 published in the Official Gazette of Government of Goa, Daman & Diu, Series III, No.11 dated 14-6-79.

(v) Central Government's sanction no. PR-12016/8/86-PE-I dated 27-2-87 published in the Gazette of India dated 24-12-86.

(vi) Central Government's sanction no. PR-12016/15/91-PE.I dated 25.3.91 published in the Gazette of India dated 25.3.91 under GSR No.180 (E).

(vii) Central Government's sanction no. PR-12016/9/98-PE.1 dated 14.07.98 published in the Gazette of India dated 14.07.98 under G.S.R. No.387 (E)